आषाढ़ शुक्ल पक्ष - 4, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष - 10, अंक - 12 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
17 जुलाई 2026
शुक्रवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
33.9 अधिकतम
26.6 न्यूनतम

Page- 7

बदहाल पाकिस्तान... घर में मचा हाहाकार, बाहर युद्ध की हुंकार

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

ईरान और अमेरिका के बीच तनाव कम कराने के लिए खुद को सुलहकर्ता के रूप में पेश करने वाला पाकिस्तान आज अपने ही घर में पाँच बड़े संकटों से जूझ रहा है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में उबलता जनाक्रोश, पंजाब में गेहूँ और आटे का संकट, बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में बढ़ती हिंसा, अफ़ग़ानिस्तान के साथ बिगड़ते रिश्ते और सिंधु जल संधि को लेकर गहराती चिंता। इन सबके बीच भारत के खिलाफ़ युद्धोन्मादी बयानबाज़ी तेज़ होती जा रही है। सवाल यह है कि क्या यह ताक़त का प्रदर्शन है, या फिर घरेलू विफलताओं से ध्यान भटकाने की एक पुरानी रणनीति?

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ और वास्तविक सत्ता के केंद्र माने जाने वाले फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के सामने चुनौतियाँ लगातार बढ़ती जा रही हैं। विदेश नीति में सक्रियता दिखाने की कोशिशें घरेलू मोर्चों की विफलताओं को ढक नहीं पा रहीं। हाल के दिनों में अफ़ग़ानिस्तान में की गई हवाई कार्रवाइयों के बाद नागरिकों की मौत के आरोपों ने काबुल और इस्लामाबाद के रिश्तों में और कड़वाहट घोल दी है। जिस तालिबान को कभी पाकिस्तान अपनी रणनीतिक गहराई मानता था, वही आज उसकी सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दे रहा है।

दूसरा बड़ा संकट पीओके में है। बिजली, आटा, ईंधन और बुनियादी सुविधाओं की कमी से नाराज़ लोग अब खुलकर सड़कों पर उतर आए हैं। आंदोलनकारियों ने सरकार को समयबद्ध अल्टीमेटम दिया है। स्थानीय स्तर पर यह आरोप लगातार उभर रहा है कि इस्लामाबाद पीओके के साथ बराबरी का व्यवहार नहीं करता। यही कारण है कि पाकिस्तान की सैन्य व्यवस्था के प्रति गुस्सा अब खुलकर सामने आने लगा है।

तीसरा मोर्चा पाकिस्तान के सबसे समृद्ध प्रांत पंजाब में खुल गया है। मुख्यमंत्री मरियम नवाज़ की सरकार गेहूँ और आटे के गंभीर संकट से घिरी हुई है। विडंबना यह है कि सबसे अधिक गेहूँ पैदा करने वाला प्रदेश ही आटे की किल्लत का सामना कर रहा है। फ्लोर मिल्स एसोसिएशन सीमित स्टॉक की चेतावनी दे चुका है। सरकारी दरें और खुले बाज़ार की कीमतों के बीच भारी अंतर ने जमाखोरी, कालाबाज़ारी और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है। इस्लामाबाद से कराची तक महँगाई और खाद्य संकट आम नागरिक की सबसे बड़ी चिंता बन चुके हैं। चौथा संकट बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा का है, जहाँ बीएलए और टीटीपी जैसे संगठन लगातार सुरक्षा बलों को चुनौती दे रहे हैं। लगातार होने वाले हमले यह संकेत दे रहे हैं कि पाकिस्तान की सेना को अपने ही भूभाग में स्थिर नियंत्रण बनाए रखने के लिए कठिन संघर्ष करना पड़ रहा है। पाँचवाँ संकट सिंधु जल संधि के निलंबन के बाद और गहरा गया है। भारत द्वारा जल परियोजनाओं और नहर नेटवर्क को तेज़ी से आगे बढ़ाने के बाद पाकिस्तान में भविष्य की जल सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी है। ऐसे समय में पाकिस्तान के नेताओं की भारत विरोधी बयानबाज़ी भी लगातार तेज़ हुई है।

अपने नागरिकों का असंतोष सबसे बड़ी चुनौती

पाकिस्तान का इतिहास बताता है कि जब भी घरेलू संकट गहराते हैं, सत्ता प्रतिष्ठान भारत के साथ तनाव को उभारकर राष्ट्रीय विमर्श की दिशा बदलने की कोशिश करता है। आज भी वही पैटर्न दिखाई देता है। जनता महँगाई, बेरोज़गारी, पानी, आटा और सुरक्षा जैसे सवाल पूछ रही है, जबकि राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व का ध्यान युद्धोन्मादी बयानबाज़ी पर अधिक दिखाई देता है। दुनिया को मध्यस्थता का संदेश देने निकला पाकिस्तान आज अपने ही घर में पाँच मोर्चों पर संघर्ष कर रहा है। उसकी सबसे बड़ी चुनौती भारत नहीं, बल्कि अपने ही नागरिकों का असंतोष, आर्थिक संकट और प्रशासनिक विफलताएँ हैं। इतिहास बताता है कि किसी भी राष्ट्र की सबसे कठिन लड़ाई सीमा पर नहीं, बल्कि अपने घर के भीतर लड़ी जाती है। फिलहाल पाकिस्तान उसी दौर से गुजरता दिखाई दे रहा है।

न्यूज विंडो

ट्रेन की चपेट में आई स्कूल वैन दो छात्रों समेत तीन की मौत

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में आज सुबह एक दर्दनाक रेल हादसे में स्कूल वाहन यात्री ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे में दो छात्रों समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल अंतर्गत मुर्शिदाबाद के बहरमपुर थाना क्षेत्र में कर्णसुबर्ण और गोबिंदपुर रेलवे स्टेशन के बीच स्थित लेवल क्रासिंग पर हुई। मृतकों में दो छात्र और एक साइकिल सवार शामिल हैं।

राइफल छीनने की कोशिश, एक की मौत, 3 जवान हुए घायल

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू - कश्मीर के डोडा जिले के भद्रवाह इलाके में एक युवक ने स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) के जवानों से सर्विस राइफल छीनने की कोशिश की, जिसके बाद हुई फायरिंग में युवक की मौत हो गई और तीन एसओजी के जवान घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के संबंध में एक धार्मिक उपदेशक को हिरासत में लिया है। हिरासत में लिए गए व्यक्ति का घटना से क्या संबंध है, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।

सुकमा में 10.7 किलो गांजा जब्त, 2 तस्कर धराए

सुकमा। सुकमा जिले में पुलिस के विशेष अभियान 'आगाज' के तहत कोंटा पुलिस ने 10.700 किलो गांजा के साथ दो अंतर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपी ओडिशा के मलकानगिरी से गांजा लाकर छत्तीसगढ़ के रास्ते तेलंगाना ले जा रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से 10.700 किलो गांजा, जिसकी कीमत करीब 5.35 लाख रुपए है, जब्त किया। साथ ही तस्करी में इस्तेमाल की गई होंडा एक्टिवा स्कूटी भी जब्त की गई। कुल जब्त संपत्ति की कीमत 6.73 लाख रुपए बताई गई है।

भगवानपुरिया गैंग का गुर्गा नीतीश अमेरिका में गिरफ्तार

वॉशिंगटन। एफबीआई ने भगवानपुरिया गैंग के गैंगस्टर नीतीश कौशल को गिरफ्तार कर किया है। उस पर अमेरिका में हत्या, अपहरण और ड्रग तस्करी में शामिल होने का आरोप है। नीतीश कौशल को कुछ दिनों पहले ही एफबीआई ने अपनी मोस्ट वांटेड क्रिमिनल्स की लिस्ट में शामिल किया था। नीतीश कौशल ने कथित तौर पर 'भगवानपुरिया ऑर्गनाइज़्ड क्राइम ग्रुप' के लिए हिंसा की घटनाओं को अंजाम दिया था।

आज का कार्टून

हाइड्रोजन की पटरी पर भारत... दुनिया का पांचवां देश बना

मोदी बोले- 2014 के पहले होर्मुज में ऐसा होता तो ठप हो जाता रेल नेटवर्क

99 प्रतिशत रेल बिजलीकरण पूरा, डीजल पर निर्भरता नहीं

जींद / चंडीगढ़, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में युद्ध जैसी स्थिति का असर भारत पर भी पड़ता है, क्योंकि इसी समुद्री मार्ग से देश में पेट्रोल, डीजल और खाद समेत कई जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति होती है। उन्होंने कहा कि यदि 2014 से पहले ऐसी स्थिति पैदा होती, तो देश का रेलवे नेटवर्क गंभीर संकट में आ जाता, क्योंकि उस समय रेलवे का बड़ा हिस्सा डीजल इंजनों पर निर्भर था। ऐसे में यदि डीजल की आपूर्ति बाधित हो जाती, तो ट्रेनों का संचालन भी प्रभावित हो सकता था। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब स्थिति बदल चुकी है। उन्होंने कहा, 'यह 2014 से पहले वाला भारत नहीं है। पिछले 12 वर्षों में स्थिति पूरी तरह बदल गई है। अब देश के करीब 99 प्रतिशत रेल नेटवर्क का बिजलीकरण पूरा हो चुका है, जिससे रेलवे की डीजल पर निर्भरता काफी कम हो गई है। डीजल का संकट होने के बावजूद भारत की रेल रुकी नहीं है निरंतर चलती रही है।

इससे पहले प्रधानमंत्री ने देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेन जींद से सोनीपत के बीच चली। इसके साथ ही हाइड्रोजन फ्यूल से चलने वाली ट्रेन शुरू करने वाला भारत दुनिया का पांचवां देश बन गया है।

सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन ट्रेन

जींद से सोनीपत के बीच चलने वाली यह हाइड्रोजन ट्रेन दुनिया की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन ट्रेन है। इसकी क्षमता 3200 हॉर्सपावर है। इसके साथ ही यह परिचालन दूरी के लिहाज से भी दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन सेवाओं में से एक है। इस हाइड्रोजन ट्रेन को भारत के ही इंजीनियर्स ने डिजाइन किया है, भारत की ही कंपनी ने इसे बनाया है। सरकार की 'हाइड्रोजन फॉर हेरिटेज' योजना के तहत देश के अलग-अलग ऐतिहासिक (हेरिटेज) और पहाड़ी रूटों पर ऐसी 35 हाइड्रोजन ट्रेनें चलाने की योजना है।

इन प्रोजेक्ट का हुआ उद्घाटन

- कुरुक्षेत्र एलिवेटेड रेलवे ट्रैक
- पंडित नेकी राम शर्मा राजकीय मेडिकल कॉलेज
- महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज
- दिल्ली-अमृतसर-कटरा हाईवे
- अंबाला-काला अंब नेशनल हाईवे
- जींद-गोहाना नेशनल हाईवे
- सिख संग्रहालय, कुरुक्षेत्र
- हांसी-बरवाला नेशनल हाईवे

एमपी के 13 स्टेशनों का लोकार्पण, सीएम मोहन यादव मौजूद रहेंगे

प्रधानमंत्री मोदी आज ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के 13 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का लोकार्पण कर रहे हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के इन्हें तैयार किया गया है। इनमें विदिशा, सांची, अशोकनगर, शिवपुरी, ब्यौहारी, भिंड, हरपालपुर, छतरपुर, टीकमगढ़, जुन्नारदेव, बालाघाट, छिंदवाड़ा और नैनपुर शामिल हैं। स्टेशनों पर आधुनिक स्टेशन भवन, आकर्षक प्रवेश द्वार, विशाल प्रतीक्षालय, स्वच्छ शौचालय, बेहतर पेयजल व्यवस्था, डिजिटल यात्री सूचना प्रणाली, एलईडी डिस्प्ले, सीसीटीवी निगरानी, ऊर्जा दक्ष प्रकाश व्यवस्था, चौड़े फुटओवर ब्रिज, दिव्यांगजन के लिए रैंप, लिफ्ट और कई स्टेशनों पर एस्केलेटर जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान टीकमगढ़ में मुख्यमंत्री मोहन यादव उपस्थित रहेंगे।

ईरानी सांसद ने दी कत्लेआम की धमकी

भारतीय निवेश वाले चाबहार पोर्ट पर अमेरिका का मिसाइल हमला

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका ने लगातार छठी रात ईरान पर बड़े पैमाने पर एयरस्ट्राइक की। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि फाइटर जेट, ड्रोन और युद्धपोतों से ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर हमला किया गया। इसी दौरान भारत के निवेश वाले चाबहार पोर्ट पर भी मिसाइल हमला हुआ। ईरानी समाचार एजेंसी मेहर के मुताबिक, पोर्ट के मैरिटाइम कंट्रोल टावर को निशाना बनाया गया। पिछले एक हफ्ते में इस टावर पर यह तीसरा हमला है। सेंटकॉम ने कहा कि हमलों में तटीय निगरानी केंद्र, एयर डिफेंस सिस्टम, सैन्य लॉजिस्टिक्स और समुद्री सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। जवाबी कार्रवाई में ईरान ने कुवैत और बहरीन स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ड्रोन हमले किए गए।

कंट्रोल टॉवर को भारी नुकसान

अमेरिका की एयरस्ट्राइक में ईरान के चाबहार पोर्ट के कंट्रोल टावर को भी नुकसान पहुंचा है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने टावर की तस्वीर साझा की है। हालांकि ईरानी सरकारी मीडिया ने कंट्रोल टावर को नुकसान पहुंचने पर कुछ नहीं कहा है। ईरान के मुताबिक, यह टावर पोर्ट पर व्यावसायिक जहाजों की निगरानी करता है।

लगातार हो रहे हमलों पर ईरानी सांसद बेहनाम सईदी ने अमेरिका को धमकी देते हुए कहा कि अगर अमेरिका ने ईरान पर जमीनी हमला किया, तो अमेरिकी सैनिकों का कत्लेआम कर दिया जाएगा। उधर, समुद्री डेटा कंपनी केप्लर के आंकड़ों के मुताबिक बुधवार को सिर्फ 9 जहाजों ने होर्मुज पार किया। भारत सरकार ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर भारतीय नाविकों की तैनाती फिलहाल रोकने के निर्देश दिए हैं।

गुजरात एटीएस की बड़ी कार्रवाई जैश से जुड़े पांच आतंकी गिरफ्तार

गांधीनगर, एजेंसी

गुजरात एटीएस ने आतंक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारियां राज्य के विभिन्न जिलों से हुई हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिलाल आबिद शेरा, मोहम्मद अयूब कड़ीवाल उर्फ मोहम्मद खाड़ियासन, मोहम्मद शफी मुखी उर्फ शफी चापी, मोहम्मद हसन कराड़िया उर्फ हसन हैदरपुरी और मोहम्मद अयूब सुनासरा उर्फ मोहम्मद खली के रूप में हुई है।

पिछले महीने पकड़े गए आतंकियों से संबंध: एटीएस ने जिन पाकिस्तान आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद से जुड़े पांच संबंधित आतंकियों को गिरफ्तार किया है इनका संबंध पिछले माह पकड़े गए देश के आठ आतंकियों के साथ बताए जा रहे हैं।गुजरात में आतंकी संगठन के स्लीपर सेल तैयार करने के लिए जैश ऐ मोहम्मद लंबे समय से प्रयास कर रहा था।

हैवी रेन अलर्ट...इस सीजन में सामान्य से 13% कम बारिश

प्रदेश में 9 दिन के सूखे के बाद अच्छी बारिश के आसार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में 9 दिन बाद हैवी रेन का अलर्ट है। मौसम केंद्र भोपाल ने आज बालाघाट और डिंडौरी में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। वहीं, 31 जिलों में गरज-चमक, आंधी और हल्की बारिश का दौर चलेगा।

मौसम विभाग की माने तो बंगाल की खाड़ी की तरफ एक लो प्रेशर एरिया (कम दवाब का क्षेत्र) एक्टिव हो रहा है। वहीं, प्रदेश के ऊपर तीन साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) एक्टिव है। इस वजह से भारी बारिश का अलर्ट है। 19 जुलाई को उत्तर-पश्चिम भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) भी एक्टिव हो रहा है। इस वजह से तेज बारिश का दौर फिर से शुरू होगा।

उमरिया जिले में सुबह से बारिश का दौर जारी है।

बता दें कि प्रदेश में सामान्य बारिश का आंकड़ा 13 प्रतिशत कम हो गया है। प्रदेश में अब तक 243.3 मिमी (9.6) बारिश हो चुकी है, जो सामान्य बारिश के 281.3 मिमी (11.1) से 13% कम है। दूसरी ओर, पूर्वी हिस्से के जिलों में 26 प्रतिशत पानी कम गिरा है।

मेट्रो एंकर

कागजी नोटों से कई गुना अधिक टिकाऊ, नकली नोटों पर लगेगी लगाम

प्लास्टिक करेंसी की दिशा में बढ़े कदम, पॉलीमर शीट के लिए टेंडर बुलाए

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में जल्दी ही प्लास्टिक के नोट देखने को मिल सकते हैं। आरबीआई ने नोटों की छपाई के लिए ओपेसिफाइड पॉलिमर सब्सट्रेट शीटों के निर्माण तथा आपूर्ति के लिए कंपनियों से वैश्विक स्तर पर निविदाएं आमंत्रित की हैं। भारतीय रिजर्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड ने इस बारे में अखबारों में एक विज्ञापन दिया है। यह कंपनी आरबीआई और नोट छापने तथा सिक्के ढालने वाली सरकारी कंपनी एसपीएमसीआईएल का जाइंट वेंचर है। इस योजना पर बात पहले से चल रही थी लेकिन अब टेंडर बुलाए जाने इसे अमल की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

ओपेसिफाइड पॉलीमर सब्सट्रेट शीट एक तरह का प्लास्टिक बेस मटीरियल है। इसे इस तरह बनाया जाता है कि यह रोशनी को आर-पार जाने से रोकता है और साथ ही बहुत मजबूत भी रहता है। सेंट्रल बैंक सुरक्षित करेंसी छापने के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। ये नोट लंबे समय तक चलते हैं और छपाई खराब नहीं होती। साथ ही ये नोट पानी और गंदगी में सुरक्षित रहते हैं और इनकी नकल करना भी काफी मुश्किल है। देश में नोट छापने की लागत ज?यादा है। आरबीआई के ताजा डेटा के मुताबिक करेंसी नोट छापने पर होने वाला खर्च वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 6,372 करोड़ रुपये के टॉप पर पहुंच गया था। इसके बाद वित्त वर्ष 2025-26 में यह घटकर 4,875 करोड़ रुपये रह गया। साथ ही नोटों के खराब होने की समस्या भी है।

यदि यह योजना लागू होती है तो आम लोगों को अधिक टिकाऊ, साफ-सुथरे और सुरक्षित नोट मिलेंगे। साथ ही नकली नोटों पर अंकुश लगाने और नोटों की बार-बार छपाई पर होने वाले खर्च में भी कमी आने की उम्मीद है। हालांकि अंतिम निर्णय आरबीआई और केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद ही लिया जाएगा।

दुनिया के कई देशों में मौजूद

हाइड्रोजन ट्रेन हरियाणा के जींद और सोनीपत रेलवे स्टेशन के बीच चलेगी। 10 कोच वाली यह ट्रेन इस रूट पर 14 स्टेशन के बीच 75 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी। किराया 5 से 25 रुपए के बीच होगा। इस रूट पर 89 किमी का सफर 2 घंटे में तय होगा। इसके साथ ही हाइड्रोजन फ्यूल से ट्रेन शुरू करने वाला भारत दुनिया का पांचवां देश बन गया है। फिलहाल जर्मनी, फ्रांस, स्वीडन और चीन में ही हाइड्रोजन ट्रेन चलती हैं। सुरक्षा के मामले में यह ट्रेन बेहद उन्नत और विश्वस्तरीय है। जींद रेलवे स्टेशन के पास देश का पहला हाइड्रोजन स्टोरेज और रिफ्यूलिंग प्लांट बनाया गया है, जहां से हाइड्रोजन ट्रेन में ईंधन भरा जाएगा।

रेजिडेंट डॉक्टरों की पोस्टिंग नीति में बदलाव

पीजी कर रहे डॉक्टरों को तीन माह तक आसपास के जिलों में काम करना होगा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों से पोस्ट ग्रेजुएशन कर रहे रेजिडेंट डॉक्टरों की मैदानी प्रशिक्षण व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने तीन माह की अनिवार्य प्रायोगिक तैनाती के नियमों में संशोधन करते हुए अब डॉक्टरों की पोस्टिंग को मेडिकल कॉलेजों के आसपास के जिलों तक सीमित करने का फैसला लिया है। नई व्यवस्था के तहत रेजिडेंट डॉक्टरों को प्रदेश के किसी भी दूरस्थ जिले में भेजने के बजाय उनके मेडिकल कॉलेज से जुड़े तीन से चार पड़ोसी जिलों के अस्पतालों में तैनात किया जाएगा। विभाग का मानना है कि इससे अस्पतालों में डॉक्टरों का संतुलित वितरण सुनिश्चित होगा और पीजी विद्यार्थियों का शैक्षणिक कार्य भी प्रभावित नहीं होगा। पहले कुछ जिलों में जरूरत से अधिक डॉक्टर पहुंच जाते थे, जबकि कई अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी बनी रहती थी। एनएमसी की सिफारिश के बाद लागू की गई नई नीति में मरीजों की संख्या, अस्पतालों की आवश्यकता और विशेष परिस्थितियों को भी आधार बनाया गया है।

क्यों बदली गई व्यवस्था?

पहले रेजिडेंट डॉक्टरों की तैनाती प्रदेश के किसी भी जिले में की जाती थी। इससे कई अस्पतालों में डॉक्टरों की संख्या जरूरत से अधिक हो जाती थी, जबकि कई जिले विशेषज्ञ सेवाओं से वंचित रह जाते थे। दूरस्थ पोस्टिंग से पीजी विद्यार्थियों की पढ़ाई और कक्षाएं भी प्रभावित होती थीं।

एनएमसी की सिफारिश पर फैसला

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) ने हाल ही में ग्रामीण क्षेत्रों में रेजिडेंट डॉक्टरों की तैनाती व्यवस्था में बदलाव का सुझाव दिया था। इसी के आधार पर राज्य सरकार ने नई नीति लागू की है। गांधी मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों को भोपाल, विदिशा, रायसेन और सीहोर में तैनात किया जाएगा।

मरीजों की जरूरत के अनुसार पोस्टिंग

नई व्यवस्था में अस्पतालों में मरीजों की संख्या और कार्यभार को तैनाती का आधार बनाया जाएगा। महिला और दिव्यांग रेजिडेंट डॉक्टरों को गृह जिले या नजदीकी जिले में पोस्टिंग देने का प्रावधान किया गया है, जिससे उन्हें सुविधा और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

"रेजिडेंट डॉक्टर कौन होते हैं : वे डॉक्टर रेजिडेंट होते हैं जो एमडी-एमएस-डिप्लोमा की पढ़ाई के दौरान मेडिकल कालेज से जुड़े अस्पतालों में काम करते हैं और आमतौर पर कॉलेज हास्टल में रहते हैं।

निशातपुरा में संदिग्ध मांस से भरा ऑटो जब्त, पुलिस जांच में जुटी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के निशातपुरा थाना इलाके के अंतर्गत आने वाले कमल नगर में शुक्रवार तड़के भारी हंगामा देखने को मिला। यहाँ बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकर्ताओं ने सुबह करीब 3 बजे घेराबंदी करके एक संदिग्ध ऑटो रिक्शा को दबोचा। हालांकि, कार्यकर्ताओं को देखते ही ऑटो का चालक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग निकलने में कामयाब रहा।

तिरपाल में छिपा रखा था मांस

जब कार्यकर्ताओं ने लावारिस छूटे ऑटो की सघन तलाशी ली, तो उसकी पिछली सीट पर पीले रंग की तिरपाल के नीचे भारी मात्रा में संदिग्ध मांस छिपा हुआ मिला। संगठन के कार्यकर्ताओं ने आशंका जताई है कि यह गोवंश का मांस हो सकता है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से इस मामले के दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

प्रयोगशाला भेजे गए नमूने

घटना की जानकारी मिलते ही निशातपुरा थाना पुलिस तुरंत हरकत में आई और मौके पर पहुंचकर ऑटो सहित मांस को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मांस के सैंपल लेकर उन्हें लैबोरेट्री (जांच) के लिए भेज दिया गया है। फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही यह साफ हो पाएगा कि यह मांस किस जानवर का है।

'संदेही के ठिकाने पर दी दबिश

फिलहाल, पुलिस ऑटो के रजिस्ट्रेशन नंबर के जरिए उसके मालिक और फरार ड्राइवर का सुराग लगाने की कोशिश कर रही है। इसी कड़ी में पुलिस टीम ने एक संदिग्ध व्यक्ति के घर पर भी छापा मारा, जहाँ परिसर में दो गोवंश बंधे हुए पाए गए। कार्यकर्ताओं का दावा है कि इन्हें अवैध कटाई के उद्देश्य से वहाँ रखा गया था, मगर पुलिस ने अभी इस आरोप की पुष्टि नहीं की है। मामले में आगे की तफ्तीश जारी है।

लखनऊ हादसे के बाद भोपाल में कोचिंग संस्थानों पर सख्ती...

तीन फीट का इमरजेंसी गेट मिलने पर कोचिंग सील

भोपाल। दोपहर मेट्रो

लखनऊ में कोचिंग संस्थान में आग लगने की घटना के बाद भोपाल नगर निगम और फायर विभाग ने शहर की कोचिंग क्लासेस की सुरक्षा व्यवस्था पर सख्ती शुरू कर दी है। इसी क्रम में गुरुवार को एमपी नगर क्षेत्र की करीब छह कोचिंग संस्थाओं का औचक निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान एक संस्थान में इमरजेंसी निकास मात्र तीन फीट चौड़ा पाया गया, जिसके चलते उसे तत्काल सील कर दिया गया।

मिली जानकारी के मुताबिक, अब तक नोटिस जारी किए गए 61 संस्थानों में से केवल 40 ने 200 रुपये के न्यायिक स्टांप पर शपथ पत्र के साथ अपना फायर सेफ्टी प्लान जमा किया है। शेष 21 संस्थानों ने अब तक कोई जवाब नहीं दिया है। ऐसे संस्थानों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

अग्नि सुरक्षा इंतजामों की जांच की

फायर ऑफिसर सौरभ पटेल ने बताया कि एमपी नगर जोन-2 स्थित स्टेप अप कोचिंग, नेट मिंटोरा, ला पेग, आकाश कोचिंग और भोपाल एकेडमी सहित कई संस्थानों में अग्नि सुरक्षा इंतजामों की जांच की गई। साथ ही पहले जारी नोटिस के पालन की स्थिति भी परखी गई।

मानकों को पूरा करने दो दिन का समय

निरीक्षण के दौरान स्टेप अप कोचिंग को अग्नि सुरक्षा मानकों को पूरा करने के लिए दो दिन का समय दिया गया। वहीं नेट मिंटोरा और ला पेग को भी नोटिस का जवाब देने के लिए दो-दो दिन की मोहलत दी गई। आकाश कोचिंग द्वारा नोटिस का जवाब नहीं देने पर निगम ने सीलिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी थी, लेकिन संचालक द्वारा तत्काल शपथ पत्र प्रस्तुत किए जाने के बाद कार्रवाई फिलहाल रोक दी गई। दूसरी ओर, भोपाल एकेडमी ने न तो नोटिस का जवाब दिया और न ही वहां पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम मिले। निरीक्षण में इमरजेंसी गेट केवल तीन फीट चौड़ा मिलने पर निगम ने संस्थान को सील कर दिया।

भोपाल में आचार्य समय सागर महाराज के चातुर्मास को लेकर तैयारियां तेज, 19 जुलाई को होगा मंगल प्रवेश

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में जैन समाज के लिए इस वर्ष का चातुर्मास विशेष धार्मिक महत्व लेकर आ रहा है। परम पूज्य आचार्य श्री 108 समय सागर जी महाराज के वर्ष 2026 के पावन चातुर्मास का आयोजन भोपाल स्थित श्री विद्योदय तीर्थ, महाराणा प्रताप नगर में होगा। इसे लेकर समाज में उत्साह का माहौल है और तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं।

आयोजन समिति के अनुसार आचार्य समय सागर जी महाराज का ससंघ मंगल आगमन रविवार, 19 जुलाई 2026 को सुबह 7 बजे श्री विद्योदय तीर्थ में होगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालु, महिला मंडल, युवा संगठन तथा विभिन्न सामाजिक संस्थाएं स्वागत के लिए उपस्थित रहेंगी। समाज के लोगों से समय पर पहुंचकर मंगल अगवानी में शामिल होने का आग्रह किया गया है।

10 वर्षों बाद पावन चातुर्मास

प्रचार सामग्री में बताया गया है कि राजधानी भोपाल का यह सौभाग्य है कि लगभग 10 वर्षों बाद आचार्य समय सागर जी महाराज का पावन चातुर्मास यहां आयोजित हो रहा है। इसे जैन समाज के लिए आध्यात्मिक चेतना, साधना और धर्म आराधना का महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है। चातुर्मास के दौरान प्रतिदिन प्रवचन, स्वाध्याय, पूजा-अर्चना, धार्मिक अनुष्ठान तथा संस्कारपरक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें समाज के सभी वर्गों की सहभागिता रहेगी। आयोजन समिति ने कहा है कि आचार्य श्री के सान्निध्य में होने वाले कार्यक्रमों से समाज में संयम, सदाचार, अहिंसा और आध्यात्मिक जीवन मूल्यों को नई ऊर्जा मिलेगी। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त करें और चातुर्मास को सफल बनाने में सहयोग दें। समिति के पदाधिकारियों के अनुसार आगमन मार्ग, स्वागत द्वार, पुष्पवर्षा, धार्मिक शोभा और व्यवस्थाओं की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। भोपाल सहित आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

नाबालिगों की तस्करी करने वाले गिरोह के दो सरगना गिरफ्तार, 1 साल से थे फरार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल पुलिस ने नाबालिग बालिकाओं की तस्करी कर उन्हें मानव देह व्यापार में धकेलने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के दो प्रमुख सरगनाओं को करीब एक वर्ष बाद गिरफ्तार कर लिया है। हनुमानगंज थाना पुलिस ने आरोपी हेमराज बाई (50) और उसके पति रमेश नाथ (40) को दबोचा। दोनों नजीराबाद क्षेत्र के ग्राम गुर्जर तोड़ी के निवासी हैं और घुमक्कड़ समुदाय से जुड़े बताए गए हैं। न्यायालय में पेश करने के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया।

नाबालिग बालिकाओं को सकुशल बरामद किया

पुलिस के अनुसार, मामले की शुरुआत 24 जनवरी 2025 को हुई थी, जब खंडवा निवासी एक महिला ने अपनी नाबालिग बेटी के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई थी। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और मोबाइल लोकेशन के आधार पर कार्रवाई करते हुए दो नाबालिग बालिकाओं को शिवपुरी के बेड़िया डेरे और गुना की सपेरा बस्ती से सकुशल बरामद किया था।

इस प्रकरण में पुलिस पहले ही विनोद प्रजापति, रितिक सपेरा और बप्पा नाथ उर्फ लाल नाथ को गिरफ्तार कर चुकी है। जांच में सामने आया कि हेमराज बाई और रमेश नाथ ने दोनों नाबालिगों को बहला-फुसलाकर मानव तस्करी के इरादे से अन्य लोगों को बेच दिया था। पुलिस अब गिरोह के पूरे नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।

सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन

भोपाल। आज वार्ड 49 साईं बाबा नगर में लगभग 14 लाख की लागत से सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर महापौर मालती राय पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह जोन अध्यक्ष बाबूलाल यादव, पार्षद अरविंद वर्मा, जिला मंत्री संतोष हिरवे, भाजपा नेता भगवत रघुवंशी, पदाधिकारी एवं रहवासी गण उपस्थित रहे।

भगवान झूलेलाल चालीसा महोत्सव

भोपाल। विधायक भगवानदास सबनानी गुरुवार को संत हिरदाराम नगर में भगवान झूलेलाल चालीसा महोत्सव पर पूज्य श्री झूलेलाल चालीहा उत्सव समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

कोहेफिजा थाने के टीआई के.जी. शुक्ला निलंबित विभागीय जांच शुरू

भोपाल। कोहेफिजा थाने में पदस्थ सेकेंड इन कमांड (टू-आईसी) के.जी. शुक्ला को कार्यप्रणाली को लेकर मिली गंभीर शिकायतों के बाद निलंबित कर दिया गया है। डीसीपी जोन-3 आयुष गुप्ता ने यह कार्रवाई की है। साथ ही क्षेत्र में संचालित अवैध गतिविधियों को कथित संरक्षण दिए जाने के आरोपों की जांच थाने के अन्य अधिकारियों और स्टाफ तक बढ़ा दी गई है। जांच में जिसकी भी भूमिका सामने आएगी, उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बताया जा रहा है के.जी. शुक्ला के खिलाफ लंबे समय से कर्तव्यों के निर्वहन में अनियमितता और अन्य गंभीर शिकायतें लगातार वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंच रही थीं। इन्हीं शिकायतों के आधार पर उनके कामकाज की निगरानी की जा रही थी। करीब एक माह पहले पुलिस कमिश्नर संजय सिंह ने उन्हें कोहेफिजा थाना प्रभारी के पद से हटाकर उसी थाने में टू-आईसी के रूप में पदस्थ किया था। इसे उनके खिलाफ शुरुआती प्रशासनिक कार्रवाई माना गया था। अब शिकायतों की समीक्षा और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर डीसीपी जोन-3 ने उन्हें निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि के दौरान उनके विरुद्ध विभागीय जांच चलेगी, जिसमें सभी आरोपों और शिकायतों की विस्तृत पड़ताल की जाएगी। जांच में आरोप प्रमाणित होने पर पुलिस नियमों के अनुसार आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

मेट्रो एंकर

राजधानी के अस्पतालों में आपोडी पर दबाव

वायरल संक्रमण: बुखार और सूखी खांसी के मरीज बढ़े

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में वायरल संक्रमण का पैटर्न बदलता नजर आ रहा है। पिछले करीब दस दिनों में सरकारी और निजी अस्पतालों की ओपीडी में तेज बुखार, गले में दर्द, सूखी खांसी और सांस संबंधी समस्याओं वाले मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बढ़ते संक्रमण का असर राजधानी के बड़े अस्पतालों की ओपीडी पर भी दिखाई दे रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि जुलाई से अक्टूबर के बीच ऐसे संक्रमण अधिक सक्रिय रहते हैं और समय रहते इलाज नहीं मिलने पर संक्रमण फेफड़ों तक पहुंच सकता है। पिछले दस दिनों के दौरान राजधानी के अस्पतालों में वायरल बुखार और श्वसन संक्रमण के मरीजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

5 हजार से अधिक मरीजों ने पंजीयन कराया

एम्स भोपाल की ओपीडी में सोमवार को 5 हजार से अधिक मरीजों ने पंजीयन कराया जिनमें बड़ी संख्या वायरल संक्रमण से जुड़े मरीजों की थी। वहीं हमीदिया अस्पताल की ओपीडी में भी मरीजों की संख्या करीब तीन हजार तक पहुंच गई।

अचानक 102 से 103 डिग्री तक बुखार आ रहा

डॉक्टरों के अनुसार इस बार वायरल संक्रमण में मरीजों को अचानक 102 से 103 डिग्री तक बुखार आ रहा है। कई मामलों में बुखार उतरने के बाद भी खांसी, गले में खराश और कमजोरी दो से तीन सप्ताह तक बनी रहती है। विशेषज्ञों का कहना है कि संक्रमण सबसे पहले नाक और गले को प्रभावित कर रहा है। गले में दर्द, आवाज बैठना, नाक बंद होना और लगातार सूखी खांसी इस बार सबसे सामान्य लक्षण बनकर सामने आए हैं।

लक्षणों के आधार पर उपचार दे रहे: चिकित्सकों के अनुसार कई मरीजों में इन्फ्लूएंजा, कोविड-19 और एच1एन1 (स्वाइन फ्लू) जैसे शुरुआती लक्षण देखने को मिल रहे हैं, हालांकि फिलहाल सरकारी अस्पतालों में इन संक्रमणों की नियमित जांच नहीं की जा रही है। ऐसे में डॉक्टर लक्षणों के आधार पर उपचार दे रहे हैं।

कब लें डॉक्टर की सलाह

यदि बुखार तीन दिन से अधिक बना रहे, सांस लेने में दिक्कत हो या लगातार कमजोरी महसूस हो तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए। गंभीर मामलों में डॉक्टर एक्स-रे या सीटी स्कैन कराने की सलाह भी दे रहे हैं।

रिटायर्ड दंपती हत्याकांड में आरोपी की पत्नी और बेटे की गिरफ्तारी

भोपाल। ऐशबाग के सुदामा नगर में रिटायर्ड दंपती हेमंत फिलेमोन और शकुंतला फिलेमोन की हत्या के मामले में पुलिस जांच लगातार नए खुलासे कर रही है। मुख्य आरोपी श्रीकांत चिंचलिया की गिरफ्तारी के बाद अब उसकी पत्नी विनी चिंचलिया और छोटे बेटे हृदय चिंचलिया को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जांच में सामने आया है कि पत्नी ने हत्या में प्रयुक्त दोनों पिस्टलों को बड़े तालाब में फेंककर सबूत मिटाने का प्रयास किया, जबकि बेटा वारदात की रात आरोपियों को घटनास्थल के पास छोड़ने और बाद में वहां से वापस ले जाने में शामिल था। पुलिस का कहना है कि दोनों की भूमिका साक्ष्य छिपाने और वारदात को अंजाम देने में सहयोग करने की रही है। दोनों आरोपियों को शुक्रवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

पुलिस जांच के अनुसार, वारदात के बाद मुख्य आरोपी श्रीकांत चिंचलिया घर पहुंचा तो वह घबराया हुआ था। पूछताछ में सामने आया कि उसने अपनी पत्नी विनी चिंचलिया को घटना की जानकारी दी और घर में रखी दोनों पिस्टलों को ठिकाने लगाने के लिए कहा। इसके बाद विनी वीआईपी रोड स्थित राजा भोज प्रतिमा के सामने बड़े तालाब में दोनों हथियार फेंक आई, ताकि पुलिस को कोई सबूत न मिल सके।जांच में यह भी सामने आया है कि हत्या की रात श्रीकांत का छोटा बेटा हृदय चिंचलिया भी घटनाक्रम की अहम कड़ी था।

आईएएस, आईपीएस, आईएफएस को केंद्र की नसीहत

वर्किंग में सुधार लाएं, लंबी व उबाऊ मीटिंग न करें, फाइलों का मूवमेंट और निर्णय तेजी से हों

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सरकारी बैठकों में निर्णय लेने में लेटलतीफी और लंबी व उबाऊ मीटिंग से होने नुकसान को लेकर केंद्र सरकार ने नई गाइड जारी की है। इसमें प्रदेश में उच्च पदों पर बैठे आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अफसरों के लिए केंद्र सरकार ने वर्किंग को लेकर नसीहत दी है। केंद्र ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर कहा है कि अपने अधिकारियों को समझाएं कि अपनी दैनिक कार्यशैली में छोटे-छोटे सुधार करें, तो इससे कार्यकुशलता, तनाव प्रबंधन और प्रशासनिक गुणवत्ता में सुधार आ सकता है। सरकारी बैठकें अक्सर देरी से शुरू होती हैं और आवश्यकता से अधिक लंबी चलती हैं। कई बार लंबी बैठकों के बाद भी स्पष्ट निष्कर्ष नहीं निकल पाते। इसमें सुधार किया जाए तो सरकारी बैठकों की नई व्यवस्था से जनता को फास्ट सर्विस मिलेगी और फाइलों के निराकरण में तेजी आएगी।

भारत सरकार के कैबिनेट सचिव डॉ. टी.वी. सोमनाथन ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों तथा राज्य प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों के महानिदेशकों को पत्र जारी कर कहा है कि विभिन्न सेवाओं के अधिकारियों से बातचीत के दौरान यह सामने आया है कि सब्जेक्ट मैटर ट्रेनिंग के साथ-साथ सरकारी कार्यों की रूटीन प्रोसेस और व्यवहारिक पहलुओं पर भी मार्गदर्शन की आवश्यकता है। इससे अधिकारी बेहतर प्रशासक और प्रबंधक बन सकेंगे।

अफसर अक्सर ओल्ड वर्किंग और आदत में बंध जाते हैं- उन्होंने कहा कि लंबे समय तक सेवा करने वाले अधिकारी अक्सर पुरानी कार्यशैली और आदतों में बंध जाते हैं, जिससे आत्ममंथन और सुधार की प्रक्रिया कमजोर पड़ सकती है। ऐसे में हर अधिकारी को स्वयं से यह प्रश्न पूछना चाहिए कि क्या मैं हर वर्ष स्वयं को पहले से बेहतर बना रहा हूँ ? क्या मैं केवल पुरानी कार्यशैली का अनुसरण कर रहा हूँ या अपने कार्यों में सुधार का प्रयास भी कर रहा हूं?

30 साल का अनुभव या एक साल का अनुभव 30 बार

पत्र में कहा गया है कि सेवा के अंतिम वर्षों में कई बार यह स्थिति उत्पन्न हो सकती है कि किसी अधिकारी के पास वास्तव में 30 वर्षों का अनुभव है या फिर एक वर्ष के अनुभव को 30 बार दोहराया गया है। इसलिए निरंतर सीखना और सुधार करना आवश्यक है। पत्र में बताया गया है कि राष्ट्रीय सुशासन केंद्र के सहयोग से कैबिनेट सचिवालय समय-समय पर व्यवहारिक गाइड्स जारी करेगा। इसकी शुरुआत सरकारी बैठकों के प्रभावी संचालन विषय से की जा रही है। पत्र के अनुसार, अधिकांश सरकारी बैठकों में अक्सर देरी से शुरुआत होती है। बैठकें आवश्यकता से अधिक लंबी चलती हैं और स्पष्ट निष्कर्ष नहीं निकल पाते। नई गाइड का उद्देश्य इन कमियों को दूर करना है। कैबिनेट सचिव ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों से कहा है कि इस गाइड को अपने अधीन कार्यरत सभी अधिकारियों तक पहुंचाया जाए। साथ ही राज्य प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों से भी आग्रह किया गया है कि वे राज्य सिविल सेवा अधिकारियों के प्रशिक्षण में इन व्यवहारिक सुधारों को शामिल करें।

जनता को क्या होगा फायदा

सरकारी बैठकों में लिए जाने वाले निर्णयों पर ही अधिकांश विकास कार्य, योजनाओं का क्रियान्वयन, सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, रोजगार और जनकल्याण से जुड़े फैसले निर्भर करते हैं। यदि बैठकें समय पर और प्रभावी ढंग से होंगी तो योजनाओं का क्रियान्वयन भी तेज होगा और जनता को सेवाएं समय पर मिल सकेंगी।

जूनियर अधिकारियों की राय को भी महत्व

गाइड में कहा गया है कि बैठक का माहौल ऐसा हो जिसमें सभी अधिकारी बिना झिझक अपने सुझाव और असहमति रख सकें। इससे बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलेगी और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। इसमें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होने वाली बैठकों के लिए भी अलग दिशा-निर्देश दिए गए हैं। तकनीकी व्यवस्था पहले से जांचने, सभी प्रतिभागियों को समान अवसर देने और बैठक का अनुशासन बनाए रखने पर जोर दिया गया है।

क्यों पड़ी नई गाइड की जरूरत

कैबिनेट सचिवालय के अनुसार सरकारी बैठकों में अक्सर देखा गया है कि बैठकें तय समय से देर से शुरू होती हैं। एजेंडा स्पष्ट नहीं होता। अनावश्यक लोगों को बुला लिया जाता है। चर्चा लंबी चलती है लेकिन निष्कर्ष नहीं निकलता। निर्णयों का पालन नहीं हो पाता। मिनट्स समय पर तैयार नहीं होते। इन कमियों को दूर करने के लिए यह गाइड जारी की गई है।

बिना उद्देश्य न हो बैठक

नई गाइड में स्पष्ट किया गया है कि किसी भी बैठक से पहले उसका उद्देश्य तय करना अनिवार्य होगा। यदि किसी विषय का समाधान ई-मेल, टेलीफोन या वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हो सकता है तो अनावश्यक बैठक नहीं बुलाई जाएगी। इससे अधिकारियों का समय बचेगा और वे जनहित से जुड़े कार्यों पर अधिक ध्यान दे सकेंगे। इसमें यह भी कहा गया है कि बैठक का एजेंडा पहले ही सभी प्रतिभागियों को भेजा जाएगा ताकि अधिकारी पूरी तैयारी के साथ बैठक में आएं। इससे बैठकों में अनावश्यक चर्चा कम होगी और निर्णय लेने में तेजी आएगी। गाइड के अनुसार केवल उन्हीं अधिकारियों या संबंधित पक्षों को बैठक में बुलाया जाएगा जिनकी उपस्थिति आवश्यक है। इससे बैठकें छोटी, प्रभावी और परिणाम देने वाली बनेंगी। बैठक समाप्त होने के बाद Minutes of Meeting तैयार किया जाएगा, जिसमें स्पष्ट लिखा जाएगा।

एमपी के 1 लाख लोगों के प्रमोशन का जश्न...

सौगात को उत्सव की तरह प्रचारित करेगी सरकार

- हाईकोर्ट से रोक लगाने की याचिका खारिज, 20 हजार से अधिक प्रमोट
- पुलिस, शिक्षा और स्वास्थ्य सहित विभिन्न विभागों में बैठकों का दौर जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में दस साल से रुकी पदोन्नतियां एक जुलाई से प्रारंभ हो गईं। मध्य प्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 के अनुसार पदोन्नतियां दी जा रही हैं। इस पर रोक लगाने की मांग को लेकर हाई कोर्ट में याचिका भी लगाई गई मगर न्यायालय ने इसे मान्य नहीं किया। सभी विभागों में एक लाख से अधिक पदोन्नतियां होनी हैं। इससे कर्मचारी प्रसन्न हैं और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का अभिनंदन कर चुके हैं। कर्मचारी हित के इस बड़े कदम को बड़ी उपलब्धि के तौर पर प्रचारित किया जाएगा। इसके लिए राज्य से लेकर जिला स्तर पर कर्मचारी सम्मेलन आयोजित करने की तैयारी है। विधानसभा के मानसून सत्र में सरकार की ओर से इसे लेकर वक्तव्य दिया जा सकता है। अधिकारियों-कर्मचारियों की पदोन्नति जल्द से जल्द करने के निर्देश पर सभी विभागों में इन दिनों विभागीय पदोन्नति समिति की बैठकें चल रही हैं। पुलिस, शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की पदोन्नतियों की प्रक्रिया जिस दिन पूरी हो जाएगी, तब लाभान्वित होने वाले कर्मचारियों की संख्या एक लाख के पार होगी। पदोन्नति में आरक्षण के मुद्दे ने 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा सरकार को काफी परेशान किया था। राजनीतिक तौर पर इसका नुकसान भी भाजपा को हुआ। इस विषय की गंभीरता को देखते हुए सरकार ने पदोन्नति का रास्ता निकालने के प्रयास भी खूब किए मगर सहमति नहीं बनी।

हाईकोर्ट से स्थगन न होने पर सरकार ने लिया फैसला

इसी बीच नए पदोन्नति नियम बनाए, जिन्हें भी हाई कोर्ट में चुनौती दी गई। चूंकि, न्यायालय से कोई स्थगन नहीं था इसलिए सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए पदोन्नति की प्रक्रिया प्रारंभ करने का निर्णय लिया। एक जुलाई से प्रक्रिया प्रारंभ हुई और अब तक लगभग बीस हजार से अधिक कर्मचारियों को पदोन्नत किया जा चुका है। यह प्रक्रिया चल रही है। पदोन्नति की इस प्रक्रिया से सभी वर्ग के कर्मचारी उत्साहित हैं।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक

मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण यंत्री से लेकर मुख्य अभियंता के पदों के लिए विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक गुरुवार को हुई। पदोन्नति के लिए मुख्य अभियंता के 23 पद हैं और अधिकारी 21 हैं। इनमें से भी चार-पांच की विभागीय जांच चल रही है। बैठक में दस्तावेजों की बारीकी से जांच करके दोबारा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। उधर, स्वास्थ्य विभाग ने भी विभिन्न पदों पर पदोन्नति के लिए बैठक की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में इंटरैक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट ऑपर्च्युनिटीज इन मध्यप्रदेश में निवेशकों एवं उद्यमियों से वन टू वन मुलाकात की।

प्रशासनिक चुनौतियों के बीच नई पहल

आंगनबाड़ियों की जिम्मेदारी अब कॉलेजों के कंधों पर, महिला एवं बाल विकास विभाग ने मांगी मदद

राष्ट्रीय सम्मेलन की समीक्षा के बाद उठाया गया कदम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन और बच्चों की देखभाल व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग ने एक नई पहल शुरू की है। विभाग ने उच्च शिक्षा विभाग से सहयोग मांगते हुए प्रदेश के सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों को आंगनबाड़ी केंद्रों से जोड़ने का प्रस्ताव दिया है। इसके तहत शैक्षणिक संस्थान अपने क्षेत्र की आंगनबाड़ियों को गोद लेकर उनके विकास और गतिविधियों में सहयोग करेंगे।

यह पहल मुख्य सचिवों की पांचवीं राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान दिए गए निर्देशों और उसके बाद तैयार की गई कार्यवाही रिपोर्ट के आधार पर शुरू की गई है। रिपोर्ट में प्रारंभिक बाल देखभाल और शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, आंगनबाड़ी केंद्रों को अधिक प्रभावी बनाने तथा समुदाय की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया था। इन्हीं सुझावों के अनुरूप महिला एवं बाल विकास विभाग ने उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त को पत्र भेजकर सहयोग का आग्रह किया है। विभाग का कहना है कि शैक्षणिक संस्थानों की भागीदारी से आंगनबाड़ी केंद्रों की कार्यप्रणाली में सुधार होगा और स्थानीय स्तर पर जनसहभागिता भी बढ़ेगी। महिला एवं बाल विकास विभाग का पत्र मिलने के बाद उच्च शिक्षा विभाग ने भी प्रक्रिया शुरू कर दी है। आयुक्त ने प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों और महाविद्यालयों को निर्देश जारी किए हैं कि वे अपने आसपास स्थित आंगनबाड़ी केंद्रों को गोद लेने की कार्ययोजना तैयार करें।

सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने पर जोर

महिला एवं बाल विकास विभाग का मानना है कि आंगनबाड़ी केंद्रों के विकास में स्थानीय शैक्षणिक संस्थानों की भागीदारी से सामुदायिक स्वामित्व की भावना मजबूत होगी। इससे बच्चों के समग्र विकास, प्रारंभिक शिक्षा की गुणवत्ता और केंद्रों के नियमित संचालन में भी सकारात्मक सुधार की उम्मीद की जा रही है। सरकार इसे आंगनबाड़ी व्यवस्था को अधिक प्रभावी और जनसहभागिता आधारित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मान रही है।

88 औद्योगिक क्षेत्रों में 2061 एकड़ जमीन खाली

बंद फैक्ट्रियों की 300 एकड़ भूमि वापस लेकर छोटे उद्योगों को देंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र सरकार राज्य के औद्योगिक क्षेत्रों में निवेश और रोजगार बढ़ाने के लिए बंद पड़े उद्योगों की जमीनों को वापस लेकर नई इंडस्ट्री को देने की तैयारी कर चुकी है। उद्योग विभाग और मप्र औद्योगिक विकास निगम एमपीआईडीसी द्वारा किए गए आडिट के अनुसार, प्रदेश के करीब 88 विकसित औद्योगिक क्षेत्रों में वर्तमान में करीब 2,061 एकड़ भूमि पूरी तरह रिक्त उपलब्ध है।

इसके अलावा 13 इंडस्ट्री में बंद पड़ी फैक्ट्री की करीब 300 एकड़

जमीन भी है। योजना के अनुसार, इस 300 एकड़ भूमि को नए स्टार्टअप्स और छोटे उद्यमियों को आवंटित किया जाएगा। छोटे उद्यमियों को बिना किसी लंबी प्रतीक्षा सूची के पहले आओ-पहले पाओ के सिद्धांत पर सीधे जमीन दी जाएगी।

साथ ही, विकासाधीन औद्योगिक क्षेत्रों जैसे इंदौर के परदेशीपुरा में प्लग एंड प्ले रेडीमेड गारमेंट कॉम्प्लेक्स और मंडीदीप में फ्लैटेड इंडस्ट्री कॉम्प्लेक्स में छोटे उद्योगों को तैयार शेड उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि वे तत्काल काम शुरू कर सकें। आवंटन का अब नया प्लान एमपीआईडीसी के अनुसार, इस रिक्त भूमि को छोटे उद्योगों को सौंपने के लिए सिंगल विंडो प्रणाली और स्वचालन को अनिवार्य किया गया है, ताकि विनियामक मंजूरियां जैसे श्रम, भवन अनुमति और भूमि डायवर्सन न्यूनतम मानवीय दखल के साथ ऑनलाइन ही मिल जाएं।

अंतर्राष्ट्रीय इन्वेस्टिगेटर समिट एवं प्रतियोगिता-2026 में एमपी को मिला द्वितीय स्थान

भोपाल। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का गौरव बढ़ाते हुए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की मध्यप्रदेश कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम ने प्रथम अंतर्राष्ट्रीय इन्वेस्टिगेटर समिट एवं प्रतियोगिता-2026 में द्वितीय स्थान हासिल किया है। प्रतियोगिता में डिजिटल फॉरेंसिक्स, साइबर अन्वेषण, कानून प्रवर्तन, इंटेलिजेंस एवं राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र से जुड़े 18 से अधिक देशों के साथ महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश एवं दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों की प्रतिष्ठित कानून प्रवर्तन एजेंसियों और विशेषज्ञों ने भाग लिया।

दतिया उपचुनाव-7,239 वोटर हुए कम

2023 में जितने मतों से जीती थी कांग्रेस एसआईआर में लगभग उतने ही मतदाता हटे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

दतिया में विधानसभा उपचुनाव को लेकर नामांकन जमा हो चुके हैं। 16 जुलाई को नाम वापसी के बाद प्रत्याशियों को लेकर तस्वीर साफ हो जाएगी। चुनाव विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद तैयार मतदाता सूची से कराए जाएंगे। एसआईआर के पहले यहां 2,27,649 मतदाता थे जो अब 2,20,410 रह गए हैं यानी 7,239 घट गए। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के राजेंद्र भारती ने यहां 7,742 मतों के अंतर से भाजपा के डॉ. नरोत्तम मिश्रा को हराया था। निर्वाचन आयोग ने फरवरी 2026 में मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया। इसके पहले प्रदेशभर में विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान 32 लाख अपात्र मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए।

मतदाता सूची को लेकर कांग्रेस सक्रिय

प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री संजय कामले का कहना है कि हमने अपनी दतिया जिला इकाई को निर्देश दिए हैं कि बूथवार मतदाता सूची का एसआईआर के बाद जारी सूची से मिलान कर लें। यह भी सुनिश्चित करें कि जिनके नाम सूची में हैं, वे वास्तविक मतदाता हैं भी या नहीं। किसी नाम को लेकर कोई संशय हो तो उसकी सूचना निर्वाचन अधिकारियों को लिखित में देकर पावती भी ली जाए, ताकि रिकॉर्ड रहे कि पार्टी की ओर से आपत्ति दर्ज कराई गई थी।

सिंहस्थ 2028: मप्र को केंद्र से मिलेंगे 688 करोड़ रुपये

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के शहरी विकास और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। केंद्र सरकार ने प्रदेश की विभिन्न शहरी विकास परियोजनाओं को सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी है। इस बड़ी मंजूरी के तहत सबसे महत्वपूर्ण निर्णय सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को लेकर किया गया है, जिसके अंतर्गत धार्मिक नगरी उज्जैन के 11 प्रमुख मंदिर परिसरों के समग्र विकास और भव्य टेंपल कॉरिडोर निर्माण परियोजना को हरी झंडी दे दी गई है।

इस महत्वपूर्ण परियोजना को लेकर नई दिल्ली में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में मध्य प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने राज्य सरकार की इन दूरगामी परियोजनाओं का विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया। इस बैठक में केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय के सचिव कटिकिथला श्रीनिवास सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

फंड जुटाने के लिए जारी होगा टेंपल बॉन्ड

सिंहस्थ 2028 से जुड़े इन 11 प्रमुख मंदिरों के विस्तार कार्यों, जीर्णोद्धार और वहां आने वाले देश-विदेश के श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधन जुटाने के उद्देश्य से राज्य सरकार एक नया प्रयोग करने जा रही है। इसके लिए प्रदेश सरकार विशेष टेंपल बॉन्ड भी जारी करेगी। इन सभी परियोजनाओं के धरातल पर क्रियान्वयन और मॉनिटरिंग की पूरी जिम्मेदारी उज्जैन विकास प्राधिकरण संभालेगा।

मेट्रो एंकर | ग्वालियर को सौगात: हजारों लोगों को मिलेगा रोजगार

100 एकड़ में स्थापित होगा टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

ग्वालियर में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की पहल पर औद्योगिक विकास और रोजगार के नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से 100 एकड़ में टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन स्थापित किया जाएगा। जिले में टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन की स्थापना के लिए विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण (साडा) के अधिपत्य वाली सौंजना व कुलैथ ग्राम में स्थित 100 एकड़ (40.468 हेक्टेयर) भूमि को वापस लेकर राजस्व विभाग के नाम दर्ज करने के आदेश जारी कर दिए गए हैं।

यह आदेश कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी रुचिका चौहान द्वारा जारी किया गया है। पूर्व में साडा (माधवराव काउंटर मैग्नेट सिटी) को विकास योजनाओं के लिए शासकीय भूमि आवंटित की गई थी। मप्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन और औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग की मांग पर इस भूमि में से औद्योगिक उपयोग के लिए जमीन हस्तांतरित करने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा इस संबंध में अनापत्तिप्रदान किए जाने के बाद यह कदम उठाया गया है।

कलेक्टर न्यायालय द्वारा जारी आदेश के तहत, ग्राम कुलैथ के विभिन्न सर्वे नंबरों की 32.422 हेक्टेयर और ग्राम सौजना के विभिन्न सर्वे नंबरों की 13.529 हेक्टेयर भूमि (कुल रकवा 45.951 हेक्टेयर) में से मार्ग (रास्ते) की भूमि को छोड़कर शेष 40.468 हेक्टेयर (100 एकड़) भूमि को साडा से वापस लिया जा रहा है। इस भूमि को पुनः मध्य प्रदेश शासन के राजस्व विभाग के नाम पर दर्ज किया जाएगा, जिसके बाद इसे %टेलीकाम मैन्युफैक्चरिंग जोन% की स्थापना के लिए औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग को हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

रिकॉर्ड भी होगा दुरूस्त

कलेक्टर रुचिका चौहान ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) और नजूल अधिकारी ग्वालियर सिटी को निर्देशित किया है कि वे तत्काल उक्त भूमि को राजस्व विभाग के रिकॉर्ड में दर्ज कर खसरे की प्रति कलेक्ट्रेट कार्यालय को भिजवाना सुनिश्चित करें। साथ ही संबंधित क्षेत्र के नायब तहसीलदार और पटवारी को भी राजस्व अभिलेखों में आवश्यक प्रविष्टि व संशोधन करने के आदेश दिए गए हैं। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के धरातल पर उतरने से ग्वालियर क्षेत्र में टेलीकाम क्षेत्र से जुड़े उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। एक विशेष औद्योगिक क्षेत्र या क्लस्टर होता है, जिसे विशेष रूप से दूरसंचार उपकरणों जैसे मोबाइल फोन, एंटेना, राउटर, फाइबर ऑप्टिक्स और 5जी उपकरण के निर्माण के लिए डिजाइन किया जाता है। इसे एक ऐसा %हब% समझ सकते हैं, जहां सरकार जमीन, बिजली, पानी और टैक्स में छूट जैसी सुविधाएं एक ही जगह उपलब्ध कराती है, ताकि कंपनियां वहां अपनी फैक्ट्रियां लगा सकें।

पटरी पर भविष्य का भारत

भारतीय रेल केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि देश की आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी प्रगति का प्रतीक भी है। ऐसे में जींद-सोनीपत रेलखंड पर देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का संचालन एक सामान्य रेल सेवा की शुरुआत भर नहीं, बल्कि भारत की तकनीकी महत्वाकांक्षा और हरित विकास के संकल्प का प्रतीक है। दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल होना, जिन्होंने हाइड्रोजन ट्रेन को वास्तविक परिचालन में उतारा है, भारत के लिए गर्व का विषय है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और स्वच्छ ऊर्जा को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया है। सौर ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन मिशन, इलेक्ट्रिक वाहनों के विस्तार और अब हाइड्रोजन रेल। ये सभी उसी व्यापक सोच का हिस्सा हैं। हाइड्रोजन ट्रेन इस बात का संकेत है कि भारत केवल विकसित देशों की तकनीक का उपभोक्ता नहीं रहना चाहता, बल्कि भविष्य की तकनीकों को अपनाने और विकसित करने वाले देशों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा होना चाहता है।

भारतीय रेल विश्व का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क होने के बावजूद आज भी कुछ ऐसे मार्गों पर संचालित होती है, जहां विद्युतीकरण संभव नहीं हो पाया है या आर्थिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण है। ऐसे क्षेत्रों में हाइड्रोजन आधारित रेल प्रणाली एक व्यवहारिक और पर्यावरण-अनुकूल विकल्प बन सकती है। यह डीजल इंजनों पर निर्भरता घटाएगी, जीवाश्म ईंधन के आयात में कमी लाएगी और कार्बन उत्सर्जन कम करने के राष्ट्रीय लक्ष्य को भी गति देगी। हालांकि, उपलब्धि के उत्साह में चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हाइड्रोजन उत्पादन, भंडारण, परिवहन और रीफ्यूलिंग का ढांचा अभी शुरुआती अवस्था में है। हरित हाइड्रोजन की लागत भी पारंपरिक ईंधन की तुलना में अधिक है। यदि इस तकनीक को व्यापक स्तर पर अपनाना है तो अनुसंधान, घरेलू विनिर्माण, सुरक्षा मानकों और आवश्यक अवसंरचना में लगातार निवेश करना होगा। केवल एक प्रतीकात्मक परियोजना से बदलाव नहीं आएगा; इसे व्यावहारिक, किफायती और बड़े पैमाने पर लागू करने की क्षमता विकसित करनी होगी।

फिर भी, हर बड़ी यात्रा की शुरुआत एक पहले कदम से ही होती है। भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन वही पहला कदम है। यह संदेश देती है कि विकास और पर्यावरण संरक्षण अब परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हो सकते हैं। यदि नीति, तकनीक और निवेश की यह गति बनी रही, तो वह दिन दूर नहीं जब भारतीय रेल का बड़ा हिस्सा स्वच्छ ऊर्जा पर संचालित होगा और भारत हरित परिवहन के वैश्विक मानचित्र पर एक अग्रणी देश के रूप में स्थापित होगा। यह उपलब्धि केवल रेलवे की नहीं, बल्कि उस भारत की है जो भविष्य की चुनौतियों को अवसर में बदलने का साहस रखता है। अब आवश्यकता इस बात की है कि यह पहल एक समाचार बनकर न रह जाए, बल्कि आने वाले वर्षों में देश की परिवहन नीति का नया मानक बने।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की चिरस्थाई विरासत: संस्थाएं, विचार व राष्ट्र निर्माण

गजेंद्र सिंह शेखावत
केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री

इतिहास अक्सर महान नेताओं को उनके राजनीतिक संघर्षों के जरिए याद करता है। लेकिन राजनेताओं के चिरस्मरणीय योगदान राजनीति के दायरे तक ही सीमित नहीं होते। उनकी वास्तविक विरासत उनके द्वारा सृजित संस्थाओं, परिपोषित विचारों और आने वाली पीढ़ियों के लिए छोड़े गए आदर्शों में होती है। राष्ट्र भारत केसरी डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का 125वां जन्म दिवस मना रहा है। इस अवसर पर उनके सार्वजनिक जीवन के एक ऐसे पहलू को स्मरण करना प्रासंगिक होगा जिसकी ओर व्यापक रूप से गौर करने की जरूरत है। यह पहलू है, राष्ट्र निर्माण की बुनियाद के रूप में संस्थाओं का सृजन करने की उनकी आजीवन प्रतिबद्धता।

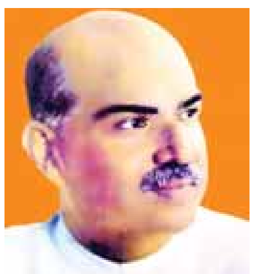

स्वतंत्र भारत का उदय सिर्फ एक राजनीतिक संघर्ष से नहीं हुआ। उसे विश्वविद्यालय बनाने थे जो नागरिकों को शिक्षित करने में सक्षम हों। ऐसी अनुसंधान संस्थाएं खड़ी करनी थीं जो वैज्ञानिक ज्ञान का प्रसार कर सकें। उसे ऐसे उद्योग तैयार करने थे जो आर्थिक आत्मनिर्भरता पैदा कर सकें। सभ्यता की विरासत की रक्षा करने वाले सांस्कृतिक संगठनों और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती देने वाली लोक संस्थाओं को तैयार करना था। डॉ मुखर्जी ने जल्दी ही समझ लिया था कि राष्ट्र का भविष्य सिर्फ दूरद्रष्टा नेतृत्व पर ही निर्भर नहीं करता। यह उन मजबूत संस्थाओं पर भी निर्भर करता है जो नेताओं और सरकारों से ज्यादा टिकाऊ होंगी।

उनका असाधारण शैक्षिक कॅरियर उनके विश्वास को प्रतिबिंबित करता है। वह कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे कम उम्र के कुलपति बने। उन्होंने वैसे समय में यह कार्यभार संभाला जब उच्चतर शिक्षा भारत के बौद्धिक जागरण का केंद्र बन रही थी। उनके लिए विश्वविद्यालय सिर्फ स्नातक तैयार करने के स्थल नहीं थे। वे वैसे सुविज्ञ नागरिकों को गढ़ने वाले संस्थान थे जो सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदारी के साथ योगदान करने में सक्षम हों।

1947 में, उन्होंने 'डिपार्टमेंट ऑफ़ पावर इंजीनियरिंग' की आधारशिला रखी क्योंकि वे भली-भांति समझते थे कि स्वतंत्र भारत की आर्थिक प्रगति के लिए इंजीनियरिंग की शिक्षा और प्रौद्योगिकी क्षमता बहुत ज़रूरी होगी। नवाचार को मुख्य नीतिगत लक्ष्य बनाए जाने से बहुत पहले ही, उन्होंने यह समझ लिया था कि वैज्ञानिक उत्कृष्टता और औद्योगिक विकास ही देश की दीर्घकालिक मज़बूती तय करेंगे।

स्वतंत्रता के बाद, जब डॉ. मुखर्जी भारत के पहले उद्योग और आपूर्ति मंत्री बने, तब इस दृष्टिकोण को व्यावहारिक रूप दिया गया। उन शुरुआती सालों में, नए नए आज़ाद देश के सामने एक औद्योगिक आधार तैयार करने की बड़ी चुनौती थी। चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स और सिंदरी फर्टिलाइज़र फैक्ट्री जैसे संस्थान सिर्फ़ मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों के तौर पर नहीं, बल्कि तकनीकी क्षमता और आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल करने के भारत के संकल्प के प्रतीक के तौर पर स्थापित किए गए थे।

उनका सार्वजनिक जीवन, भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रति गहरी समझ और सम्मान को भी दर्शाता था। 'महाबोधि सोसाइटी ऑफ़ इंडिया' के अध्यक्ष के तौर पर, उन्होंने बौद्ध देशों के साथ भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को मज़बूत करने में अहम भूमिका निभाई। साहित्य और विद्वता के प्रति भी उनकी चिंता उतनी ही स्पष्ट थी। उनके पत्रों से पता चलता है कि उन्होंने प्रसिद्ध कवि काज़ी नज़रुल इस्लाम की उनके व्यक्तिगत संकट के समय किस तरह मदद की थी। ऐसी घटनाएँ हमें याद दिलाती हैं कि सार्वजनिक नेतृत्व को केवल बड़े नीतिगत फैसलों से ही नहीं, बल्कि उदारता के उन शांत और मौन कार्यों से भी आंका जाता है, जिन पर शायद ही कभी लोगों का ध्यान जाता है।

डॉ. मुखर्जी ने संस्थागत निर्माण के इसी दृष्टिकोण को संविधान सभा में भी आगे बढ़ाया। संविधान के निर्माण को 'एक बड़ी जिम्मेदारी' और 'एक गंभीर और पवित्र विश्वास' के रूप में वर्णित करते हुए, उन्होंने संवैधानिक शासन के साथ जुड़ी नैतिक ज़िम्मेदारियों पर ज़ोर दिया। उनके वे शब्द आज भी बेहद प्रासंगिक हैं। संविधान की ताकत अंततः न केवल उसके लिखित प्रावधानों पर, बल्कि संसद की शुचिता, सार्वजनिक संस्थानों की स्वतंत्रता, कानून के शासन और नागरिकों की जिम्मेदारी पर भी निर्भर करती है। संवैधानिक लोकतंत्र तभी फलता-फूलता है जब संस्थाओं पर जनता का भरोसा हो और वे ईमानदारी से काम करें। जैसे-जैसे भारत एक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर हो रहा है, डॉ. मुखर्जी की सोच हमें एक ज़रूरी बात याद दिलाती है। सिर्फ़ आर्थिक विकास से ही देश की तरक्की तय नहीं होती। संवहनीय विकास के लिए शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार, सांस्कृतिक संरक्षण और लोगों का भरोसा जगाने वाले संस्थानों में लगातार निवेश की ज़रूरत होती है।

सड़कें, हवाई अड्डे और कारखाने बेहद जरूरी हैं, लेकिन उतने ही जरूरी वे विश्वविद्यालय भी हैं जो जिज्ञासा को प्रोत्साहित करते हैं, वे प्रयोगशालाएँ जो ज्ञान का विस्तार करती हैं, वे संग्रहालय जो विरासत को संजोते हैं और वे सार्वजनिक संस्थान जो संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करते हैं, वे भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। संस्थाओं में एक अद्भुत गुण होता है: वे सरकारों, राजनीतिक आंदोलनों और यहाँ तक कि कई पीढ़ियों से भी ज़्यादा समय तक बनी रहती हैं। वे संचित ज्ञान को संजोकर रखती हैं, बदलाव के बीच निरंतरता बनाए रखती हैं और समाज को दीर्घकालिक राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम बनाती हैं। नेता इतिहास को आकार दे सकते हैं, लेकिन संस्थाएं सभ्यता को जीवित रखती हैं। **-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

कटघरे में नौकरशाही... विश्वसनीयता और पारदर्शिता पर उठते गंभीर सवाल

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

हरियाणा की प्रशासनिक व्यवस्था इन दिनों ऐसे दौर से गुजर रही है जिसने भारतीय नौकरशाही की विश्वसनीयता, पारदर्शिता और आंतरिक एकजुटता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। सामान्यतः भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारियों को शासन व्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे राजनीतिक परिवर्तन के बावजूद प्रशासनिक निष्पक्षता, संवैधानिक मूल्यों और जनहित को सर्वोपरि रखें। किंतु जब स्वयं उसी सेवा के अधिकारी एक-दूसरे पर आरोप लगाने लगें, जांच एजेंसियों के समक्ष एक-दूसरे की भूमिका पर प्रश्न उठाने लगें और प्रशासनिक तंत्र के भीतर अविश्वास का वातावरण बन जाए तब यह केवल कुछ व्यक्तियों का मामला नहीं रह जाता बल्कि पूरी शासन व्यवस्था की साख पर प्रभाव डालता है। हाल के घटनाक्रम में हरियाणा के कई आईएएस अधिकारियों की गिरफ्तारी, अन्य अधिकारियों के विरुद्ध अभियोजन स्वीकृति तथा आपसी आरोप-प्रत्यारोप ने यही संकेत दिया है कि मामला व्यक्तिगत दायित्व से आगे बढ़कर संस्थागत संकट का रूप ले रहा है।

बताया गया है कि बैंकिंग और सरकारी धन से जुड़े बड़े वित्तीय अनियमितता प्रकरण में कई वरिष्ठ अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई हुई है। कुछ अधिकारी गिरफ्तार हुए, जबकि अन्य के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत अभियोजन की स्वीकृति दी गई। सबसे अधिक चर्चा इस बात की रही कि इस बार प्रशासनिक सेवा के भीतर वह परंपरागत एकजुटता दिखाई नहीं दी, जिसकी अपेक्षा अक्सर ऐसे मामलों में की जाती रही है। इसके विपरीत विभिन्न अधिकारियों द्वारा अपने बचाव में दूसरे अधिकारियों की भूमिका पर प्रश्न उठाए गए, फाइल नोटिंग, मौखिक निर्देश और निर्णय प्रक्रिया को लेकर नए विवाद सामने आए। इससे यह धारणा बनी कि प्रशासनिक सेवा के भीतर विश्वास का ताना-बाना कमजोर हो रहा है।

हरियाणा का मामला इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां विवाद केवल सरकार और अधिकारियों के बीच नहीं बल्कि अधिकारियों के बीच ही खुलकर सामने आया है। इससे प्रशासनिक सेवा की उस सामूहिक छवि को आघात पहुंचा है जो निष्पक्षता, गोपनीयता और संस्थागत अनुशासन पर आधारित मानी जाती है।

लोकतांत्रिक शासन में किसी भी अधिकारी का कानून से ऊपर होना स्वीकार्य नहीं है। यदि किसी अधिकारी ने भ्रष्टाचार किया है, सरकारी धन के दुरुपयोग में भूमिका निभाई है अथवा अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया है तो उसके विरुद्ध निष्पक्ष जांच और विधि सम्मत कार्रवाई अनिवार्य है। लेकिन उतना ही आवश्यक यह भी है कि जांच प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष और राजनीतिक प्रभाव से मुक्त दिखाई दे। केवल न्याय होना पर्याप्त नहीं, न्याय होते हुए दिखाई देना भी उतना ही आवश्यक है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि अधिकारियों के बीच असहजता दिखाई दी कि राज्य की जांच एजेंसी द्वारा कार्रवाई के बाद मामला केंद्रीय जांच एजेंसी तक कैसे पहुंचा। कुछ अधिकारियों ने इस निर्णय पर भी प्रश्न उठाए हैं। हालांकि किसी भी मामले की जांच किस एजेंसी द्वारा होगी, यह संबंधित परिस्थितियों और कानूनी प्रक्रिया पर निर्भर करता है लेकिन ऐसी स्थितियां प्रशासनिक मनोबल को प्रभावित करती हैं और सेवा के भीतर असुरक्षा की भावना पैदा कर सकती हैं। प्रशासनिक सेवा का मूल आधार केवल अधिकार नहीं बल्कि उत्तरदायित्व है। प्रत्येक फाइल, प्रत्येक वित्तीय स्वीकृति और प्रत्येक प्रशासनिक निर्णय सामूहिक प्रक्रिया का हिस्सा होता है। यह भी विचारणीय है कि क्या हमारी प्रशासनिक प्रणाली में निर्णय लेने की प्रक्रिया पर्याप्त रूप से प्रलेखित होती है। आज भी अनेक महत्वपूर्ण निर्णय मौखिक निर्देशों, अनौपचारिक बैठकों और फोन पर हुई चर्चाओं के आधार पर आगे बढ़ जाते हैं। जब तक सब कुछ सामान्य चलता है, तब तक यह व्यवस्था सुविधाजनक लगती है लेकिन जैसे ही कोई विवाद सामने आता है, वही मौखिक निर्देश सबसे बड़ा विवाद बन जाते हैं। इसलिए शासन व्यवस्था में प्रत्येक महत्वपूर्ण निर्णय का लिखित रिकॉर्ड, डिजिटल ट्रैकिंग और स्पष्ट उत्तरदायित्व तय होना चाहिए।

इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा पक्ष नौकरशाही के मनोबल से जुड़ा है। ईमानदार अधिकारियों के मन में यह आशंका पैदा हो सकती है कि यदि भविष्य में किसी सामूहिक निर्णय पर विवाद हुआ तो कहीं उन्हें भी बिना पर्याप्त सुरक्षा के कठघरे में न खड़ा कर दिया जाए। दूसरी ओर यदि भ्रष्टाचार के मामलों में कठोर कार्रवाई नहीं होगी तो जनता का विश्वास समाप्त होगा। इसलिए संतुलन अत्यंत आवश्यक है। ईमानदार अधिकारियों को संस्थागत सुरक्षा और भ्रष्ट अधिकारियों को कठोर दंड- दोनों समान रूप से आवश्यक हैं।

हरियाणा का यह प्रकरण प्रशासनिक सुधारों की आवश्यकता को भी रेखांकित करता है। भारत में लंबे समय से सिविल सेवा सुधारों पर चर्चा होती रही है। फाइलों का पूर्ण डिजिटलीकरण, निर्णय प्रक्रिया की पारदर्शिता, समयबद्ध ऑडिट, स्वतंत्र सतर्कता तंत्र तथा उत्तरदायित्व आधारित प्रशासन आज की आवश्यकता हैं। यदि प्रत्येक वित्तीय निर्णय का डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध होगा तो बाद में जिम्मेदारी तय करना अपेक्षाकृत सरल होगा और अनावश्यक विवाद भी कम होंगे।

यह भी आवश्यक है कि राजनीतिक नेतृत्व और नौकरशाही के संबंध स्पष्ट संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर रहें। लोकतंत्र में नीति निर्माण निर्वाचित सरकार का अधिकार है, जबकि उसका निष्पक्ष क्रियान्वयन प्रशासनिक सेवा की जिम्मेदारी है। यदि दोनों के बीच संतुलन बिगड़ता है तो प्रशासनिक निष्पक्षता प्रभावित होती है। इसलिए संस्थागत स्वतंत्रता और जवाबदेही दोनों का समान महत्व है।

इस पूरे प्रकरण से एक सामाजिक संदेश भी निकलता है। आम नागरिक अक्सर यह मानता है कि उच्च पदों पर बैठे लोग कानून से ऊपर होते हैं। यदि किसी भी स्तर पर निष्पक्ष जांच होती है और दोष सिद्ध होने पर कार्रवाई होती है तो इससे कानून के शासन की भावना मजबूत होती है। लेकिन यदि जांच चयनात्मक दिखाई देती है या राजनीतिक प्रभाव का संदेह उत्पन्न होता है तो जनता का विश्वास कमजोर पड़ता है। इसलिए जांच एजेंसियों की निष्पक्षता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

भारतीय प्रशासनिक सेवा जैसी प्रतिष्ठित संस्था ने दशकों तक देश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आपदा प्रबंधन, विकास योजनाओं के क्रियान्वयन, चुनाव संचालन, कानून-व्यवस्था और जनकल्याणकारी योजनाओं में आईएएस अधिकारियों की भूमिका निर्विवाद रही है। कुछ मामलों के आधार पर पूरी सेवा की छवि पर प्रश्न उठाना उचित नहीं होगा। किंतु यह भी सत्य है कि कुछ गंभीर प्रकरण पूरी संस्था की प्रतिष्ठा को प्रभावित कर देते हैं। इसलिए आत्ममंथन की आवश्यकता स्वयं प्रशासनिक सेवा को भी है। **-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

हेल्थ अलर्ट

जरूरत से ज्यादा स्क्रीन टाइम से आंखों की थकान और एस्थेनोपिया का खतरा

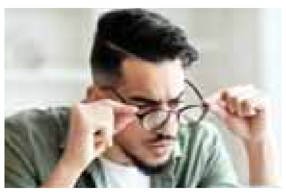

पंचशील पार्क स्थित मैक्स मल्टी स्पेशिलिटी की सीनियर आई सर्जन (कैटेरेक्ट, लेसिक एंड कोर्निया) और एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. सोनिका मानती हैं कि आई फटीग या एस्थेनोपिया आंखों के बहुत ज्यादा काम करने का नतीजा है। आज के दौर में लगभग सभी लोग मोबाइल पर अपना टाइम बिताते हैं, जो मोबाइल से थोड़ा बच जाते हैं तो उन्हें लैपटॉप पर वक्त बिताना पड़ता है। इससे हर किसी का स्क्रीन टाइम बढ़ गया है और आंखों पर बहुत ज्यादा तनाव पड़ रहा है। आज के जमाने में यह आंखों की सबसे आम समस्या है।

एस्थेनोपिया से आंखों की रोशनी को गंभीर खतरा नहीं है लेकिन यह सहजता, कंफर्ट, फोकस और लाइफ की क्वालिटी पर असर डालती है। यह समस्या तब होती है, जब पास की चीजों (मोबाइल, लैपटॉप) पर बहुत ज्यादा देखने की आदत से आंखों की मसल्स बहुत ज्यादा थक जाती हैं। बहुत ज्यादा समय तक पढ़ना, कंप्यूटर पर टाइप करना, मोबाइल फोन स्क्रॉल करना और लंबे समय तक ड्राइव करने से आई स्ट्रेन या एस्थेनोपिया हो जाता है। अगर आपकी आंखें जरूरत से ज्यादा काम कर रही होंगी तो एस्थेनोपिया के लक्षण दिखने लगेंगे। प्रभावित व्यक्ति को धुंधला दिखना, आंखों में असुविधा होना, थकान, आंखें भारी होना, ड्राई आई, आंखों में जलन, सिरदर्द और फोकस करने में दिक्कत हो सकती है। कुछ लोगों को यह भी महसूस हो सकता है कि उनकी आंखों में लाइट चुभती है और खुजली हो सकती है। हर उम्र के लोग डिजीटल डिवाइस का अधिक इस्तेमाल कर रहे हैं। इस वजह से सभी पर एस्थेनोपिया या आई स्ट्रेन का खतरा है। ऑनलाइन क्लास लेने वाले स्टूडेंट्स, कंप्यूटर पर काम करने वाले ऑफिस वर्कर, गेमर्स और स्मार्टफोन चलाने वाले बच्चे व बुजुर्ग समेत सभी लोग स्क्रीन पर पहले से बहुत ज्यादा वक्त बिता रहे हैं। इसलिए सभी के लिए हेल्दी विजुअल रुटीन अपनाना बहुत जरूरी है। डॉक्टर ने सबसे पहला बचाव 20-20-20 रूल को बताया है। हर 20 मिनट स्क्रीन का इस्तेमाल करने के बाद 20 सेकंड तक कम से कम 20 फीट दूर की चीज पर फोकस करें। यह आसान सी एक्सरसाइज आंखों की मसल्स के लिए जरूरी रिलैक्सेशन देगी।

अगर आपको दिक्कत ज्यादा हो रही है तो आंखों को ल्यूब्रीकेट करने वाली आई ड्रॉप्स का इस्तेमाल करें। यह आंखों की सतह को नमीदार बनाकर काफी राहत देती हैं। अपनी स्क्रीन की पोजीशन और वहां की लाइट सही रखें ताकि आंखों पर चमक ना पड़े। ज्यादा चमकदार लाइट या डिजीटल डिवाइस से उचित दूरी बनाकर रखें। अगर आपकी आंख का कर्वेचर ठीक नहीं है तो आंखों के डॉक्टर को जरूर दिखाएं। वे आपको किसी ट्रेडिशनल ट्रीटमेंट या अन्य इलाज के बारे में जानकारी दे सकते हैं। हालांकि इसमें थोड़ा खर्चा आ सकता है, लेकिन आंखों की रोशनी और लाइफ क्वालिटी को बेहतर बनाने के लिए यह जरूरी भी है।

निशाना

जूस पी पी कर ..!

दिनेश प्रभात

उधर वो लोग मोटे हैं फलों के जूस पी पी कर
हमीं लाचार हैं जो मर रहे हैं रोज़ जी जी कर।
अभी तक थम नहीं पाये हमारे गाँव के आँसू
तुम्हारी राजधानी हँस रही है रोज़ ही ही कर।
खुशी का रास्ता भी तो यहाँ पर ढूँढिये साहब
लटकते जा रहे हैं फाँसियों पर लोग घी घी कर।
उधर टूटे हुओं को और ढाढस की ज़रूरत है
इधर तुम हँस रहे हो बंदरों-सा खूब खी खी कर।
कुटिल मुस्कान ही तेरी हमें अब मार डालेगी
दवा की मत हमारे सामने तू यार ! शीशी कर।
चलो माना नहीं है साफ, इतना भी नहीं गन्दा
हमारे ताल के आगे खड़ा होकर न छी छी कर।
सफलता चाहता है तो बग़ावत छोड़ दे अपनी
यहाँ बस सिर्फ़ हाँ हाँ कर, यहाँ बस सिर्फ़ जी जी कर।

टेक्नो अपडेट

OpenAI के पहले गैजेट का खुलासा, लॉन्च करेगी कैमरा-सेंसर वाले पोर्टेबल स्पीकर

ओपन एआई का पहला हार्डवेयर डिवाइस एक स्मार्टफोन नहीं बल्कि स्पीकर होगा। यह अपने पहले हार्डवेयर डिवाइस के तौर पर एक पोर्टेबल, बिना स्क्रीन वाले स्मार्ट स्पीकर लाने पर काम कर रही है। माना जा रहा है कि इस स्पीकर को घर में एक 'AI दोस्त' की तरह इस्तेमाल करने के लिए बनाया जा रहा है। यह स्पीकर OpenAI का बनाया गया पहला डिवाइस होगा। दरअसल, कंपनी ने पिछले महीने Codex Micro भी पेश किया था। लेकिन इसे ओपनएआई ने Work Louder के साथ मिलकर बनाया है और यह स्पीकर कंपनी का इन-हाउस डिवाइस होगा।

रिपोर्ट्स की मानें तो OpenAI का पहला डिवाइस स्पीकर पोर्टेबल होगा। इस स्पीकर को कहीं भी ले जा सकते हैं। इसे चलाने के लिए प्लग-इन करने की भी जरूरत नहीं होगी। इसमें बैटरी हो सकती है, जिससे यह आसानी से कहीं भी ले जाया जा सकेगा। यह शायद बाकी स्पीकर की तरह ना हो, लेकिन इसमें कैमरा और दूसरे सेंसर जरूर देखने को मिल सकते हैं। इस स्पीकर में मैकेनिकल पार्ट्स का भी इस्तेमाल कर सकता है जो खुद-ब-खुद हिल-डुल सकें, जिससे यह बिल्कुल असली इंसान जैसा महसूस होगा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, OpenAI इस डिवाइस को घर के लिए एक इंसान जैसे AI दोस्त के रूप में तैयार कर रहा है। हालांकि इस पर अभी काम चल रहा है, लेकिन माना जा रहा है कि इस स्पीकर में ChatGPT के खास और बेहतरीन फीचर्स दिए जाएंगे। ज्यादातर स्मार्ट स्पीकर की तरह OpenAI का यह डिवाइस आपके स्मार्ट होम अप्लायंसेज को कंट्रोल कर सकेगा और म्यूजिक भी चला सकेगा। हालांकि, रिपोर्ट बताती है कि यह स्पीकर शायद ChatGPT-Live के ज्यादा एडवांस्ड वर्जन को सपोर्ट करेगा, जिसे इसी महीने की शुरुआत में लॉन्च किया गया था। स्पीकर में बताए जा रहे कैमरे और दूसरे सेंसर इसे आस-पास के माहौल को समझने में मदद मिलेगी, जिससे यह स्थिति के हिसाब से ज्यादा सटीक जवाब दे पाएगा।

अजब - गजब

दुनिया का एक ऐसा श्रापित गांव ! जहां हर शख्स अंधा, बिना आंखों वाले जानवर

कल्पना कीजिए एक ऐसे गांव की जहां किसी ने कभी सूरज की रोशनी नहीं देखी है। ऐसा नहीं है कि यहां सूरज नहीं उगता, लेकिन मेक्सिको के ओआक्साका प्रांत में बसा टिल्टेपेक गांव ठीक वैसा ही है। यहां पैदा होने वाला हर शिशु और हर जानवर कुछ समय बाद अपनी आंखों की रोशनी खो देता है। यह रहस्य सदियों से चला आ रहा है और इसे 'Village of the Blind' भी कहा जाता है। टिल्टेपेक गांव में करीब 300-400 लोग रहते हैं। यहां नवजात बच्चे आंखें खोलकर पैदा होते हैं, लेकिन कुछ दिनों या हफ्तों में उनकी रोशनी धीरे-धीरे कम होने लगती है और अंत में पूरी तरह चली जाती है। यही हाल गांव के कुत्तों, बिल्लियों, गायों, पक्षियों और अन्य जानवरों का भी है। स्थानीय लोग बताते हैं कि यह कोई प्राचीन अभिशाप है। किंवदंती है कि सदियों पहले गांव में एक खास पेड़ था। जिसने भी उस पेड़ को देखा, वह अंधा हो गया। आज भी कई लोग उस पेड़ या उसके आसपास की जगह को समस्या का कारण मानते हैं।

वैज्ञानिक जांच और संभावित कारण : जब मेक्सिको सरकार और वैज्ञानिक टीम ने जांच की तो कुछ रोचक तथ्य सामने आए। इसमें सबसे प्रमुख कारण बताया गया विषैले कीट। गांव में मौजूद कुछ विशेष प्रकार की मक्खियां ऐसी हैं जिनके संपर्क में आने से आंखों की रोशनी चली जाती है। कुछ अध्ययनों में जेनेटिक कारण भी पाए गए। अंधेपन के बावजूद गांववासी सामान्य जीवन जीते हैं। वे आवाज, स्पर्श, गंध और अन्य इंद्रियों का इस्तेमाल करके सब कुछ करते है। . बच्चे विशेष तरीके से शिक्षा प्राप्त करते है। घरों में खिड़कियां कम होती हैं क्योंकि रोशनी की जरूरत नहीं पड़ती। सरकार ने कई बार गांव वालों को दूसरे जगह बसाने की कोशिश की, लेकिन वे अपनी मातृभूमि छोड़ना नहीं चाहते। नई जगह पर अनुकूलन ना हो पाने के कारण कई लोग वापस लौट आए। गांववासियों की मान्यता है कि यह पेड़ का अभिशाप है। लेकिन वैज्ञानिक इसे प्रकृति की गड़बड़ी या पर्यावरणीय समस्या मानते हैं। यह मामला वंशानुगत अंधत्व और पर्यावरण-स्वास्थ्य संबंधी अध्ययनों के लिए महत्वपूर्ण है। यह गांव सोशल मीडिया, यूट्यूब डॉक्यूमेंट्री और अंतरराष्ट्रीय मीडिया में बार-बार वायरल होता है। लोग इसे रहस्यमयी मानकर इसके बारे में जानना चाहते हैं। कई पर्यटक यहां आने की कोशिश करते हैं, लेकिन यहां तक पहुंचना काफी मुश्किल है।

न्यूज विंडो

जंगल में पेड़ पर फंदे से लटका मिला युवक का शव, जांच जारी

औबेदुल्लागंज। नूरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम भूतपलासी के पास स्थित जंगली पहाड़ी पर एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला। मृतक की पहचान जितेंद्र (23 वर्ष) पिता तुलसीराम आदिवासी, निवासी ग्राम भूतपलासी के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय नूरगंज पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरवाकर पंचनामा तैयार किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और घटना के कारणों का पता लगाने के लिए मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

सीएमओ देशमुख ने की जनसुनवाई, खुले में वाहन धोने वाले को जारी किया नोटिस

नर्मदापुरम। मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख द्वारा आज जनसुनवाई की गई। इस दौरान उन्होंने 15 आवेदनों पर सुनवाई करते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि जो भी शिकायतें आती हैं उनका संतुष्टिपूर्ण समाधान करें एवं की गई कार्रवाई से अवगत कराएं। कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं सीएमओ वैभव देशमुख के निर्देशन में आज नगरपालिका कार्यालय में जनसुनवाई की गई। जिसमें 15 से अधिक समस्याएं आई और उनका उचित समाधान करने के सीएमओ द्वारा निर्देश जारी किए गए। जनसुनवाई के दौरान फेफरताल स्थित एक कालोनी के गेट पर वाहन धुलाई करने से लोगों को समस्या आ रही है। जिस पर सीएमओ वैभव देशमुख द्वारा स्वच्छता निरीक्षक अनुराग तिवारी को संबंधित को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके अलावा वार्ड 11 की महिलाओं द्वारा सड़क एवं नाली निर्माण की शिकायत की गई। जिस पर सीएमओ श्री देशमुख द्वारा उपयंत्री रीना गुप्ता को समस्या का समाधान करने हेतु जांच करने के निर्देश दिए। साथ ही जनसुनवाई में पीएम आवास, अतिक्रमण, राशन कार्ड समर्पण सहित अन्य समस्याएं आई जिनका तत्काल समाधान किया गया। विगत जनसुनवाई में अपनी समस्याएं लेकर महिमा नगर के निवासियों ने नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं सीएमओ वैभव देशमुख का आभार माना। उन्होंने बताया कि अब हमारे क्षेत्र की नाली सफाई और कचरा वाहन समय पर पहुंचा रहा है।

एलबीएस कॉलेज में छात्र-छात्राओं ने पोस्टरों से जगाई जनचेतना

गंजबासौदा। स्थानीय लाल बहादुर शास्त्री (एलबीएस) कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई एवं एनसीसी यूनिट के संयुक्त तत्वावधान में शासन के निर्देशानुसार नशा मुक्त समाज जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने नशे के दुष्परिणामों पर आधारित आकर्षक एवं संदेशपरक पोस्टर तैयार कर प्रदर्शित किए, जिन्होंने सभी को नशे के खिलाफ जागरूक रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. पीयूष दुबे ने छात्र-छात्राओं को नशा न करने तथा नशे की लत से ग्रस्त लोगों को इस बुराई से मुक्त कराने के लिए जनजागरण का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति का ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार, समाज और राष्ट्र के पतन का कारण बनता है। इसलिए युवाओं को स्वयं जागरूक होकर दूसरों को भी इसके दुष्परिणामों से अवगत कराना चाहिए। एनएसएस बालिका इकाई प्रभारी नम्रता अरोरा एवं एनसीसी बालिका यूनिट की श्रीमती निधि शर्मा ने छात्राओं द्वारा तैयार किए गए पोस्टरों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे रचनात्मक प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बनते हैं। उन्होंने सभी से नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। कार्यक्रम में विधि प्राचार्य आर.आर. द्विवेदी, प्राध्यापक कुलेन्द्र श्रीवास्तव, सारिका देव, प्रियंका चतुर्वेदी, मोहर सिंह गुर्जर, वेद प्रकाश स्वर्णकार, मंजु जैन, दिनकर कद्रे, ग्रंथकार प्रशांत कासवा, कार्यालयीन स्टाफ कमलेश विश्वकर्मा, सत्यनारायण सोनी, सचिन सक्सेना, जागृति शर्मा, शिवानी विश्वकर्मा, गौरव जैन, शेषपाल चौहान, नीतेश जैन सहित एनसीसी कैडेट एवं एनएसएस के स्वयंसेवक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

चीफ इंजीनियर ने ब्यावरा-सोनकच्छ रेल लाइन की तैयारियों का लिया जायजा

काम में देरी पर अधिकारियों-कर्मचारियों को लगाई फटकार, कहा-8 दिन में ट्रैक पूरा करें

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

भोपाल-रामगंज मंडी नई रेल लाइन परियोजना के तहत ब्यावरा-सोनकच्छ सेक्शन की तैयारियों का बुधवार शाम चीफ इंजीनियर (सीई) निरीक्षण करने पहुंचे। करीब शाम 6 बजे ब्यावरा स्टेशन पहुंचने के बाद उन्होंने अधिकारियों के साथ ट्रैक का निरीक्षण किया। लगभग एक घंटे तक ट्रैक, पुल-पुलिया, पाथ-वे और अन्य निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर अधूरे और गुणवत्ता संबंधी कार्य सामने आने पर सीई ने संबंधित अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को कड़ी फटकार लगाई।

निरीक्षण के दौरान ट्रैक की फिनिशिंग, बैलेस्ट पैकिंग, ड्रेनेज, सुरक्षा व्यवस्था, सिग्नलिंग से जुड़े कार्यों और अन्य सिविल वर्क की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों से एक-एक बिंदु पर प्रगति रिपोर्ट ली गई और जहां कार्य अधूरा मिला, जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान संबंधित अधिकारियों से कहा कि हर हाल में आठ दिन के भीतर पूरा सेक्शन ओके हो जाना चाहिए।

पाथ-वे से सीमेंट निकलती देख लगाई फटकार

निरीक्षण की शुरुआत मोया रोड के पास बने अंडरब्रिज से हुई। यहां ट्रैक तक जाने के लिए बनाई गई सीमेंट की सीढ़ियों और पाथ-वे पर कुछ जगह से सीमेंट उखड़ता देखकर सीई ने नाराजगी जताई। उन्होंने इसे निर्माण गुणवत्ता में लापरवाही बताते हुए तत्काल सुधार के निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट कहा कि सीआरएस निरीक्षण से पहले किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए।

8-10 दिन में हो सकता है सीआरएस निरीक्षण

भोपाल-रामगंज मंडी रेल लाइन परियोजना के करीब 21.5 किमी इस हिस्से में जल्द ही सीआरएस निरीक्षण प्रस्तावित है। बताया जा रहा है कि अगले आठ-दस दिन में सीआरएस हो सकता है। ऐसे में इससे पहले कुछ दिन पूर्व मुख्य परियोजना प्रबंधक (सीपीएम) भी ट्रॉली इंस्पेक्शन कर चुके हैं। अब चीफ इंजीनियर के निरीक्षण के बाद परियोजना की मॉनिटरिंग और तेज हो गई है। रेलवे अधिकारियों का प्रयास है कि निर्धारित समय में सभी तकनीकी और सुरक्षा मानकों की पूर्ति कर सेक्शन को सीआरएस के लिए प्रस्तुत किया जा सके। निरीक्षण के दौरान रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी, परियोजना से जुड़े इंजीनियर और निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

सीआरपीएफ के वाहन को मारी टक्कर, दो जवान हुए घायल

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

नरसिंहपुर के स्टेशनगंज थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर मगरधा चौराहे के पास एक तेज रफ्तार कंटेनर ने सीआरपीएफ की 7वीं बटालियन के वाहन को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में दो जवान गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि तीन अन्य जवानों को मामूली चोटें आईं। सूचना मिलते ही स्टेशनगंज पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है।

जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस में लूट, स्लीपर कोचों में बदमाशों ने छीने मंगलसूत्र, चेन, झुमके और बैग

गुना। दोपहर मेट्रो

जिले में रुठियाई आउटर पर अज्ञात बदमाशों ने जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस ट्रेन में लूट की बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। सिग्नल के इंतजार में आउटर पर खड़ी ट्रेन में दो दर्जन से ज्यादा नकाबपोश बदमाशों ने अलग-अलग कोच में लूटपाट की। लूटपाट के दौरान जिन यात्रियों ने बदमाशों का सामना करने की कोशिश की उनके ऊपर पथराव कर दिया। इसमें दो यात्री घायल हुए हैं जिनमें से एक के सिर में गंभीर चोट बताई जा रही है। ट्रेन में सवार करीब सात-आठ यात्रियों की जेवरात, बैग व मोबाइल लूटकर ले जाने की बात यात्रियों ने कही है। हालांकि जीआरपी ने इस मामले में दर्ज एफआईआर में चार अलग-अलग यात्रियों के साथ वारदात होने का जिक्र किया है। कोटा मंडल के तहत हुई इस बड़ी वारदात ने एक बार फिर से ट्रेनों में रात के समय चलने वाली सुरक्षा

गश्त पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ट्रेन में सवार यात्रियों के अनुसार, ट्रेन नंबर 14813 जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस रात करीब 2.20 बजे रुठियाई आउटर पर सिग्नल नहीं होने से रुकी थी। तभी वहां पहुंचे तकरीबन 25-27 नई उम्र के नकाबपोश बदमाश ट्रेन के एस-6 और एस-5 कोच के पास आकर खड़े हुए। पांच-पांच, छह-छह बदमाश दोनों कोच के अंदर घुसे और सो रही महिला व पुरुष यात्रियों के गले में पहने मंगलसूत्र, चेन, कानों के झुमके और बैग छीना झपटी करने लगे। इस दौरान पूरी ट्रेन में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। करीब आधा घंटे तक बदमाश दहशत फैलाते रहे। ट्रेन के आरक्षित कोच में आधी रात को हुई लूटपाट से मचे शोर शराबे से दोनों कोच में सो रहे यात्रियों की नींद खुल गई। कुछ यात्रियों ने छीना झपटी कर रहे बदमाशों को रोकने व पकड़ने की कोशिश की तो ट्रेन के नीचे खड़े उनके साथियों ने यात्रियों के ऊपर नीचे से ही पथराव कर दिया। इस पथराव में दो यात्री घायल हुए हैं। जिनमें एक छबड़ा राजस्थान निवासी अब्दुल कलाम खान को पेट व गुलाबगंज विदिशा के एक अन्य यात्री संतोष कुमार के सिर में गंभीर चोट आई है। इस दौरान पूरी ट्रेन में अफरा-तफरी की स्थिति बन रही। करीब आधा घंटे तक बदमाश दहशत फैलाए रहे। यात्रियों ने किसी तरह से ट्रेन की खिड़कियां व दरवाजे अंदर से लॉक करके खुद को बचाया और रेलवे के हेल्पलाइन नंबर पर सूचना दी।

इंजेक्शन और सरकारी सिरिंज बॉक्स मिलने से सनसनी

कांग्रेस नेता की कमर्शियल बिल्डिंग के बाथरूम में युवक का शव, जांच जारी

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

शहर के कलेक्ट्रेट के समीप स्थित कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष फैजान उल हक की कमर्शियल बिल्डिंग में बीती रात एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से सनसनी फैल गई। पहली मंजिल के बाथरूम में युवक मृत अवस्था में पड़ा मिला। मौके से सरकारी पैकिंग में 100 सिरिंज का बॉक्स, एक उपयोग की गई सिरिंज तथा दवा की शीशी भी बरामद हुई है। पुलिस प्रथम दृष्टया सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार रात करीब 9 बजे बिल्डिंग के चौकीदार ने पहली मंजिल के बाथरूम का दरवाजा अंदर से बंद देखा। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर उसने इसकी सूचना भवन स्वामी फैजान उल हक को दी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस की मौजूदगी में दरवाजा खोला गया तो अंदर एक युवक जमीन पर पड़ा मिला। जांच में उसकी मौत हो चुकी थी। कोतवाली थाना पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर देर रात पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

बिल्डिंग के भूतल पर फोटो कॉपी, स्टांप वेंडर की दुकान और बैंक का एटीएम संचालित है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि मृतक कब और किसके साथ बिल्डिंग में दाखिल हुआ था। कोतवाली थाना पुलिस के अनुसार मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। मौत के कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और एफएसएल जांच के बाद ही की जाएगी। फिलहाल किसी भी कारण को अंतिम रूप से पुष्टि नहीं माना जा रहा है।

मृतक की पहचान नहीं

समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में पहचान कराने के प्रयास कर रही है। घटनास्थल से मिली सिरिंज और दवा की शीशी को जांच के लिए सुरक्षित रखा गया है। पुलिस का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

घटनास्थल से 100 सिरिंज का सरकारी पैक बॉक्स मिलने के बाद कई सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह बॉक्स वहां कैसे पहुंचा और इसका स्रोत क्या है। बरामद सामग्री को जांच में शामिल किया गया है।

खाद्य पदार्थों की जांच की मांग

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत द्वारा जिले में खाद्य पदार्थों में मिलावट पर रोक लगाने की मांग को लेकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया कि त्योहारों एवं वैवाहिक समारोहों के दौरान दूध, मावा, मिठाई, घी, तेल, मसाले, पनीर सहित अन्य खाद्य सामग्री में मिलावट की आशंका काफी बढ़ जाती है, जिससे आमजन के स्वास्थ्य पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ सकते हैं। ग्राहक पंचायत ने मांग की कि जिलेभर में विशेष मिलावट जांच अभियान चलाया जाए। खाद्य प्रतिष्ठानों एवं निर्माण इकाइयों का नियमित निरीक्षण किया जाए, संदिग्ध खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच कराई जाए।

28 लीटर कच्ची शराब व 650 किलो महुआ लाहन जब्त

नर्मदापुरम। जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और संग्रहण के खिलाफ आबकारी विभाग का अभियान लगातार जारी है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर गत दिवस इटारसी औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सोनतलाई, कोठा, बटकुई, ग्वाड़ी और बिछुआ में विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की गई। जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में की गई कार्रवाई के दौरान आबकारी विभाग ने मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत 4 प्रकरण दर्ज किए। टीम ने मौके से 28 लीटर हाथ भट्टी (कच्ची) शराब और 650 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद कर जब्त किया।

पश्चिम मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु न्यूनतम पात्रता मानदंड पूरी करने वाले एवं विद्युत लाइसेन्स धारी प्रतिष्ठित एवं अनुभवी ठेकेदारों से निर्धारित प्रपत्र पर ई निविदा आमंत्रित की जाती है।- निविदा संख्या: डब्ल्यूसीआर-सीआरडब्ल्यू-बीपीएल-ईएल-टी-25-10R, दिनांक 14.07.2026, कार्य का नाम: सी.आर.डब्ल्यू. एस./भोपाल में एनएमजी एन एमजीएचएस के रखरखाव सुविधाओं के/एनएमजीएच/विकास हेतु/आवागमन रहे अम्ब्रेला कार्य से संबंधित अन्य विद्युतीकरण कार्य, कार्य की लागत: Rs 96,31,503.32, निविदा फार्म का मूल्य: 0.00, धरोहर राशि: 1,92,600.00/-, कार्य पूर्ण करने की अवधि: 12 माह, निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 11.08.2026 को 15.00 बजे तक, निविदा खुलने की तिथि: 11.08.2026 को 15.00 बजे तक, निविदा फार्म व निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी भारत की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। एवं निविदा सूचना मुख्य कारखाना प्रबंधक विद्युत शाखा के सूचना पटल पर उपलब्ध है।

हस्ता.
कृते मुख्य कारखाना प्रबंधक
सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना,
पश्चिम मध्य रेलवे, निशातपुरा भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय थाना प्रभारी थाना कोहेफिजा नगरीय पुलिस भोपाल

क्र./कोहे/भो/गु.इ./13/26 दिनांक 09/07/26

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की मे सूचक जितेन्द्र कुमार शाह पिता कपूरी शाह उम्र 28 साल निवासी म.न.52 गली न.02 शहीद नगर कोहेफिजा भोपाल मो.न. 9131001753 ने थाना आकर सूचना दिया कि मैं लिखाये पते पर रहता हूं तथा टाइल्स का काम करता हूं कि मेरा भाई धर्मेन्द्र कुमार शाह उम्र 35 साल निवासी सदर दिनांक 16/03/26 के रात्रि 09.30 बजे घर से सिवांन जिला बिहार जाने के लिये निकला था जो आज दिनांक तक न ही सिवान बिहार पहुंचा है न ही यहाँ पर आया है जिसको रिश्तेदारों मे फोन कर पता किया कोई जानकारी नही मिली जिसको काफी तलाश किया कोई पता नही चला मेरे भाई धर्मेन्द्र का हुलिया रंग सांवला, चेहरा गोल, कद 5 फीट 6 इंच करीबन, बदन सामान्य, नीले कलर की टीशर्ट व खाकी कलर का पेंट पहने है सूचना देता हूं कार्यवाही की जाये सूचक की रिपोर्ट गुम इंसान सदर का कायम कर जाँच मे लिया गया जिसकी सूचना वरिष्ट अधिकारीगण यकन्ट्रोलरूम को दी गई है। कि रिपोर्ट पर गुम इंसान क्र. 13/2026 का कायम किया गया। के सम्बंध में किसी को कोई जानकारी चले तो निम्न नम्बरो पर संपर्क करे।-9479990687,9827084991

थाना प्रभारी
थाना कोहेफिजा भोपाल

G-15677/26

मेट्रो एंकर

भगवान जगदीश स्वामी की तीन भव्य रथयात्राओं में हजारों श्रद्धालु हुए शामिल

जय जगदीश के जयघोष से गूंजा नगर, बारिश में भी उमड़ा सैलाब

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

आस्था, श्रद्धा और सनातन परंपरा का अनुपम संगम उस समय देखने को मिला, जब नगर में प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार भगवान जगदीश स्वामी की तीनों भव्य रथयात्राएं पूरे धार्मिक उत्साह और भव्यता के साथ निकाली गईं। रथयात्राओं में हजारों श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। पूरे नगर में जय जगदीश, जय श्रीकृष्ण और हरि बोल के जयघोष गूंजते रहे। भगवान के दिव्य रथ के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और सभी ने श्रद्धा भाव से पूजा-अर्चना कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

नगर में पहली रथयात्रा बेतवा नौलखी मंदिर, दूसरी बेदनखेड़ी चतोर मंदिर तथा तीसरी पंचमुखी हनुमान मंदिर से निकाली गई। तीनों यात्राओं ने नगर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण किया, जहां जगह-जगह श्रद्धालुओं ने

पुष्पवर्षा कर भगवान का स्वागत किया। पूरे यात्रा मार्ग पर भजन-कीर्तन, शंखनाद और घंटियों की गूंज से वातावरण भक्तिमय बना रहा। रथयात्रा में महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों और बच्चों ने बड़ी संख्या में सहभागिता निभाई। नगर के विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों द्वारा जगह-जगह पेयजल, शीतल पेय, प्रसाद वितरण एवं भंडारों की व्यवस्था की गई। श्रद्धालुओं की सेवा के लिए स्वयंसेवक भी पूरे समय सक्रिय रहे। यात्रा के दौरान हुई हल्की बारिश ने श्रद्धालुओं के उत्साह को और बढ़ा दिया। बारिश के बीच भी भक्त पूरे उत्साह और भक्ति भाव से भगवान के रथ के साथ चलते रहे। श्रद्धालुओं ने इसे भगवान का विशेष आशीर्वाद मानते हुए आनंदपूर्वक रथयात्रा में भाग लिया। पूरे आयोजन के दौरान पुलिस एवं प्रशासन की ओर से सुरक्षा और यातायात की समुचित व्यवस्था की गई, जिससे रथयात्रा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। आयोजन समितियों ने रथयात्रा को सफल बनाने में सहयोग देने वाले प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवकों तथा सभी श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

न्यूज विंडो

वृक्षारोपण अभियान में जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों की रही सहभागिता

कोतमा/बिजुरी। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प को साकार करने की दिशा में आज नगर परिषद डोला द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी लखन लाल पनिका की अध्यक्षता में एक वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नगर क्षेत्र में हरित आवरण बढ़ाना, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता विकसित करना तथा नागरिकों को पौधारोपण एवं पौधों के संरक्षण के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष रीनू सुरेश कोल, उपाध्यक्ष रविशंकर तिवारी,समस्त पार्षदगण, भाजपा मंडल अध्यक्ष रिंकू शर्मा अन्य गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता, नगर परिषद डोला के अधिकारी एवं कर्मचारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नगर के लगभग 400 नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पौधारोपण अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान नगर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों, सड़क किनारे, शासकीय परिसरों तथा चिन्हित स्थानों पर लगभग 1000 पौधों का रोपण किया गया। सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों ने स्वयं पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प भी लिया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से दो युवक हुए घायल, एक जबलपुर रेफर

तेंदूखेड़ा। तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम झरौली के दो युवक कलेहरा के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गए। जबेरा क्षेत्र के रिश्तेदार तेंदूखेड़ा स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे जहां पर एक युवक की हालत गंभीर होने के चलते जबलपुर मेडीकल कांलेज रिफर किया गया हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार डालसिंह पिता धनसिंह गौड़ 49, विक्की खान पिता सगीर 26 निवासी ग्राम झरौली किसी कार्य से जबेरा गए थे वापिस लौटते समय कलेहरा के पास दोपहर 3.30 बजे अज्ञात वाहन टक्कर मारकर भाग गया। डालसिंह ने अपने रिश्तेदारों को फोन से सूचना दी रिश्तेदार प्राइवेट वाहन से नगर के स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां विक्की खान को सिर में गंभीर चोटों के चलते प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर रिफर किया गया हैं वहीं धनसिंह का इलाज जारी हैं।

कलेक्टर ने नन्हें शटलर इशिमत अरोरा को दिया 51 हजार का चेक

धार। कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने खेलों को बढ़ावा देने और प्रतिभावान खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नन्हें शटलर इश्मित अरोरा को 51 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान किया। अंडर-13 ऑल इंडिया बैडमिंटन प्रतियोगिता के विजेता इश्मित को यह राशि सीआरएस फंड के माध्यम से उपलब्ध कराई गई है, ताकि उन्हें बेहतर खेल सुविधाएं प्राप्त हो सकें। इस अवसर पर कलेक्टर मीना ने कहा कि खिलाड़ियों के श्रेष्ठ प्रदर्शन में उनके पालकों का अहम योगदान होता है। उचित प्रोत्साहन से ही खिलाड़ी आत्मविश्वास और उत्साह के साथ अपनी खेल प्रतिभा में निखार लाते हैं। उन्होंने इश्मित के स्पष्ट लक्ष्य और उसकी निरंतर मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि इश्मित निश्चित ही भविष्य में और ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। साथ ही, उन्होंने धार में खेल संस्थाओं द्वारा खिलाड़ियों को दिए जा रहे प्रोत्साहन की भी सराहना की। इस अवसर पर इश्मित अरोरा के माता-पिता श्रीमती शिखा अरोरा एवं लक्की अरोरा, जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष पं. छोटू शास्त्री, धार लिटिल शटलर वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष शरदचंद्र निगम और जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव सलीम खान उपस्थित थे। इस दौरान बैडमिंटन एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने नन्हें शटलर को प्रोत्साहित करने के लिए जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

तेंदूखेड़ा में लाल मुंह के बंदर का आतंक, बच्चे को किया घायल

तेंदूखेड़ा। नगर के वार्ड 11 एवं 12 में पिछले कई महीनों से एक लाल मुंह के बंदरिया का आतंक लगातार बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह बंदर अब तक लगभग 100 बालक-बालिकाओं सहित कई लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर चुका है। बार-बार शिकायतों के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है, जिससे क्षेत्रवासियों में भय और आक्रोश का माहौल है। जानकारी के अनुसार गुरुवार शाम लगभग 6:30 बजे स्कूल की छुट्टी के बाद जिगर अहिरवाल पिता-जितेंद्र अहिरवाल, निवासी गुबरा, ग्राम पंचायत बगदरी, जो कक्षा दूसरी का छात्र एवं आरुष स्कूल का विद्यार्थी है, कोचिंग से पढ़ाई कर अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान वार्ड 11 स्थित नागसेन बाबू की बाली गली के पास घात लगाए बैठे लाल मुंह के बंदरिया ने अचानक उस पर हमला कर दिया। हमले में बंदर ने बालक के कान पर काट लिया, जिससे वह घायल हो गया। घटना के तुरंत बाद परिजन एवं स्थानीय लोगों ने बालक को शाम लगभग 7 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा पहुंचाया, जहां उसका प्राथमिक उपचार किया गया। उपचार के दौरान बालक ने बताया कि पिछली रात उसे सपने में बंदर दिखाई दिया था और अगले ही दिन उसी बंदर ने उस पर हमला कर दिया। बालक की बात सुनकर परिजन और मौजूद लोग भी भावुक हो गए। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि इस बंदरिया के आतंक से बच्चे घर से बाहर निकलने और स्कूल-कोचिंग आने-जाने में डरने लगे हैं। अभिभावकों में भी लगातार चिंता बनी हुई है।

मुरैना पुलिस ने दो दिन में किया अपहरण कांड का खुलासा

स्कूल से अपहृत मासूम कार्तिकेय राजस्थान के पाली से बरामद, पिता ही निकला मास्टरमाइंड

मुरैना। दोपहर मेट्रो

मुरैना पुलिस ने स्कूल से अपहृत मासूम कार्तिकन यादव को महज दो दिन के भीतर सकुशल बरामद कर बड़ी सफलता हासिल की है। जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि बच्चे का अपहरण किसी गैंग ने नहीं, बल्कि उसके पिता निलेश ने ही कराया था।

पुलिस के अनुसार पति-पत्नी के बीच चल रहे पारिवारिक विवाद के चलते निलेश ने बेटे का अपहरण कराने की साजिश रची। घटना को अंजाम देने से पहले वह करीब 15 दिन तक मुरैना में रहकर रेकी करता रहा और पूरी योजना तैयार की। वारदात के बाद आरोपी पिता बच्चे को लेकर राजस्थान के पाली पहुंच गया, जहां वह एक होटल में ठहरा हुआ था। मुरैना पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और लगातार की गई जांच के आधार पर पाली पहुंचकर बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया। इस कार्रवाई से अपहरण की गुत्थी सुलझ गई और मासूम को सुरक्षित परिजनों तक पहुंचाने में पुलिस को सफलता मिली। पुलिस मामले में आरोपी पिता से पूछताछ कर रही है तथा पूरे घटनाक्रम की जांच जारी है।

परिवार की जानकारी आई सामने

कार्तिकेय अपहरण कांड की जांच के बीच परिवार की जानकारी सामने आई। नीलेश राजपूत और इशू यादव की पहचान 2018 में फेसबुक के जरिए हुई थी। दोनों की दोस्ती प्यार में बदली और 2019 में उन्होंने शादी कर ली। नीलेश मूल रूप से राजस्थान के पाली का रहने वाला है। शादी के समय वह मुंबई में रहकर गुटखा का कारोबार करता था। शादी के बाद दोनों करीब तीन-चार साल मुंबई में साथ रहे। इसी दौरान बेटे कार्तिकेय का जन्म भी मुंबई में हुआ। पत्नी इशू यादव का आरोप है कि बेटे के जन्म के बाद नीलेश शराब और नशे का आदी हो गया। वह उसके साथ मारपीट करने लगा। विवाद बढ़ने पर जनवरी 2025 में इशू बेटे कार्तिकेय को लेकर मायके मुरैना आ गई। अगस्त 2025 में नीलेश मुरैना पहुंचा और बेटे को अपने साथ मुंबई ले गया। समझौते का भरोसा मिलने पर इशू भी उसके साथ मुंबई चली गई, लेकिन कुछ समय बाद फिर विवाद और मारपीट शुरू हो गई। जनवरी 2026 में इशू दोबारा बेटे कार्तिकेय को लेकर मुरैना लौट आई। तब से दोनों पति-पत्नी अलग-अलग रह रहे थे। करीब 2 महीने पहले इशू और उसकी मां ममता यादव ने कार्तिकेय का रेनबो पब्लिक स्कूल में दाखिला कराया था।

युवती ने खुद को आग लगाकर की आत्महत्या लिखा सुसाईड नोट, पड़ताल में जुटी पुलिस

धार। दोपहर मेट्रो

औद्योगिक नगरी पीथमपुर के सागौर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मोती नगर कॉलोनी से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहाँ 23 वर्षीय युवती नेहा कछ्वाया ने खुद को आग लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिजनों ने पुलिस को मृतका की 22 पन्नों की एक सुसाइड डायरी सौंपी है, जिसमें पारिवारिक प्रताड़ना, छेड़छाड़, ब्लैकमेलिंग और मंगेतर द्वारा मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने के खौफनाक खुलासे हुए हैं। पुलिस ने डायरी जब्त कर मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

पीथमपुर क्षेत्र के सागौर थाना अंतर्गत मोती नगर कॉलोनी निवासी नेहा कछ्वाया उम्र 23 साल ने एक दिन पूर्व की है। मृतिका के भाई रितेश कच्छवाया ने बताया कि परिवार के सभी सदस्य रात करीब 10:30 बजे खाना खाकर सो गए थे। रात करीब 2 बजे अचानक नेहा के कमरे से चिल्लाने की आवाज आई। जब परिजन दौड़कर पहुंचे, तो कमरे में भीषण आग लगी हुई थी और भारी धुआं फैला था। सामने वाले घर से पानी की मोटर चलाकर आग बुझाने की कोशिश की गई, लेकिन तब तक नेहा पूरी तरह जल चुकी थीं और

उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां पर पुलिस को घटना स्थल से मिली नोट बुक में 22 पन्नों की डायरी में नेहा ने अपनी मौत के पीछे कई लोगों को जिम्मेदार ठहराया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर पुलिस अधीक्षक पीथमपुर कमल सिंह चौहान और सागोर थाना प्रभारी प्रकाश सरोदे ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया।

नेहा ने लिखा कि उनके भाई रितेश की पत्नी रीना गोयल और उनके मायके पक्ष के लोग पूरे परिवार को लंबे समय से प्रताड़ित कर रहे थे। भाभी ने नेहा के दिवंगत पिता रमेशचंद्र कच्छवाया पर बेहद घिनौने और झूठे लांछन लगाए थे, जिससे आहत होकर उनके पिता को घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा था। परिवार ने गंभीर आर्थिक तंगी के बावजूद चांदी के जेवर 20 हजार रुपये में गिरवी रखकर भाभी के लिए पायल खरीदी थी, लेकिन इसके बाद भी क्लेश खत्म नहीं हुआ। नेहा ने आगे लिखा कि भाभी के भाई महेश गोयल ने घर रीना के नाम न करने पर पूरे परिवार को झूठे दहेज केस में फंसाकर जेल भिजवाने की धमकी दी थी। इतना ही नहीं, नेहा ने आरोप लगाया कि भाभी के भाइयों ने उनके साथ छेड़छाड़ की थी और विरोध करने पर वीडियो वायरल करने की धमकी देकर लगातार ब्लैकमेल कर रहे थे। युवती ने आगे लिखा कि कुछ समय पूर्व भाभी के मायके जाकर खुद दवा खाकर गर्भपात करने का मामला भी सामने आया था, जिसका झूठा आरोप रीना के परिवार ने नेहा के पिता पर मढ़ दिया था। नेहा ने एक फोन कॉल रिकॉर्डिंग का भी जिक्र किया है, जिसमें भाभी अपने जीजा से आपत्तिजनक बातें कर रही थीं, जिससे उनके पिता बेहद दुखी थे। पारिवारिक क्लेश के अलावा नेहा अपनी निजी जिंदगी में भी गंभीर दौर से गुजर रही थीं।

पुलिस को सफलता

माइक्रो लिफ्ट सिंचाई प्लांट योजना में आगजनी के मामले में 12 गिरफ्तारियां

बालाघाट। दोपहर मेट्रो

बालाघाट जिले के लामता में करोड़ों रुपए की माइक्रो लिफ्ट सिंचाई प्लांट योजना में आगजनी के मामले में पुलिस को सफलता मिली है। घटना के बाद 15 दिन से फरार चल रहे नौ और आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया है। इस कार्रवाई के बाद मामले में अब तक कुल 12 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।

बधाई हो जनप्रतिनिधियों!

अब शुरू होगा पांच साल के कामकाज का हिसाब-किताब

शहडोल। दोपहर मेट्रो

शहडोल संभाग के सभी नगर पालिका अध्यक्षों, नगर परिषद अध्यक्षों और जनपद पंचायत अध्यक्षों को अग्रिम बधाई। कार्यकाल के लगभग चार वर्ष पूरे हो चुके हैं और अब अगले चुनाव में करीब एक वर्ष शेष है। ऐसे में चुनावी तैयारियों के साथ-साथ पिछले चार वर्षों के कामकाज का हिसाब भी जनता के सामने आने की चर्चा शुरू हो गई है।

कहा जा रहा है कि अब तक जिन फाइलों पर धूल जमी थी, वे खुलेंगी। जिन निर्माण कार्यों पर सवाल उठते रहे, उनकी जांच की मांग तेज होगी। नगर निकायों और ग्राम पंचायतों में हुए विकास कार्यों, खर्च और कथित अनियमितताओं पर दस्तावेजों के साथ सवाल पूछे जाएंगे। चुनावी मौसम में जनता भी पूछेगी—वादे कितने पूरे हुए और पैसा कहां खर्च हुआ? आने वाले महीनों में विकास के दावों के साथ भ्रष्टाचार के आरोप, प्रेस कॉन्फ्रेंस, ज्ञापन, आरटीआई और सोशल मीडिया पर खुलासों का दौर भी तेज हो सकता है। राजनीति में यह नया नहीं है कि चुनाव नजदीक आते ही वर्षों से दबे मुद्दे अचानक सुर्खियां बन जाते हैं।

फिलहाल चुनावी रणभेरी बजने से पहले माहौल बनना शुरू हो गया है। अब देखना यह होगा कि जनता के सवालों का जवाब विकास से मिलता है।

12 वर्षीय साली की हत्या कर फरार चल रहे आरोपी जीजा को महाराष्ट्र से दबोचा

धार। दोपहर मेट्रो

बाग थाना पुलिस ने 12 वर्षीय नाबालिग साली की हत्या कर फरार चल रहे आरोपी जीजा को फिल्मी स्टाइल में पीछा करते हुए महाराष्ट्र के शाहदा से गिरफ्तार कर लिया है, पुलिस आरोपी को कोर्ट में पेश करने की तैयारी कर रही है।

पुलिस के अनुसार, बीती 12 जुलाई को ग्राम रिसावला से एक 12 वर्षीय नाबालिग लड़की लापता हो गई थी। परिजनों ने उसके सगे जीजा अनिल पिता शेरसिंह निवासी सेवरिया, जोबट पर भगा ले जाने का संदेह जताया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की, तो लापता बालिका की लाश पाडलिया घाटी के पास वन विभाग के एक सीमेंटेड कुएं में संदिग्ध परिस्थितियों में मिली। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी सचिन शर्मा,

एएसपी विजय डावर और एसडीओपी कुक्षी सुनील गुप्ता के मार्गदर्शन में बाग थाना प्रभारी हिरुसिंह रावत के नेतृत्व में विशेष टीमों का गठन किया गया। पूछताछ और जांच में सामने आया कि आरोपी अनिल ने फरवरी 2026 में इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद मृतका की बड़ी बहन को भगाकर शादी की थी। हाल ही में उसकी पत्नी अपने मायके गई थी, जिसने वापस आने से मना कर दिया और परिजनों ने भी रिश्ता तोड़ने की बात कही। इसी बात से गुस्साए अनिल ने बदला लेने की नीयत से अपनी 12 वर्षीय साली को जंगल में ले जाकर कुएं में धक्का दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी बस पकड़कर गुजरात भाग गया था। पुलिस टीम को जब उसके मोरबी गुजरात में होने की सूचना मिली, तो एक टीम वहां भेजी गई। लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी वहां से महाराष्ट्र की तरफ भाग निकला। इसके बाद पुलिस की दूसरी टीम ने पीछा करते हुए शाहदा महाराष्ट्र में घेराबंदी कर 24 वर्षीय आरोपी अनिल दोहदिया को धर दबोचा। पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जिसे कुक्षी न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

मेट्रो एंकर

वर्ल्ड इमोजी डे पर ठहाकों और सकारात्मक ऊर्जा से गूंजा स्टूडियो

इमोजी फेस योग के जरिए साधकों ने सीखी तनावमुक्ति की कला

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

विश्व इमोजी दिवस के अवसर पर काया इंटरनेशनल योग स्टूडियो में एक अभिनव एवं आनंदमयी योग सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आधुनिक डिजिटल जीवनशैली के कारण तनावग्रस्त होती दिनचर्या के बीच लोगों के चेहरे पर प्राकृतिक मुस्कान लौटाना तथा योग के माध्यम से मानसिक प्रसन्नता एवं भावनात्मक संतुलन को बढ़ावा देना था। योग और रचनात्मकता के इस अनूठे संगम ने उपस्थित सभी साधकों को एक नई एवं सुखद अनुभूति प्रदान की। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक मंत्रोच्चार, ध्यान साधना, सूक्ष्म व्यायाम एवं विभिन्न योगासनों के अभ्यास से हुआ। इसके पश्चात स्टूडियो की संस्थापिका, इंटरनेशनल योग मास्टर एवं योग विशेषज्ञ सुश्री इंदु सिंह इन्दुश्री के मार्गदर्शन में विशेष इमोजी फेस योग सत्र आयोजित किया गया, जिसने सभी का आकर्षण प्राप्त किया।

आमतौर पर मोबाइल स्क्रीन पर भावनाओं को व्यक्त करने वाले इमोजी इस अवसर पर साधकों के चेहरों पर सजीव रूप में दिखाई दिए। प्रतिभागियों ने विभिन्न इमोजी के प्रिंटआउट एवं रंग-बिरंगे प्रॉप्स

देखकर उसी प्रकार के चेहरे के हाव-भाव प्रस्तुत किए। किसी ने गालों में हवा भरकर बैलून फेस (गुब्बारा इमोजी) बनाया तो किसी ने पूरे उत्साह के साथ हैप्पी स्माइल, सरप्राइज्ड लुक तथा अन्य आकर्षक भाव-भंगिमाओं का प्रदर्शन किया। चेहरे के व्यायाम, हंसी और योग का यह अनूठा समन्वय पूरे वातावरण को उल्लास, ठहाकों और सकारात्मक ऊर्जा से भर गया। इस विशेष सत्र में रानू श्रीवास्तव, सिंधु नेमा, अनामिका पटेल, विनीता पांडेय, सीमा नामदेव, ज्योति नेमा, मीना शर्मा, प्रीती सोनी, अंजलि नेमा, नेहा सोनी, अमृता गुप्ता, पूजा नेमा, पूनम मंदाना, आस्था लखेरा, अदिति नेमा, सरिता जाट, मधु चौधरी, गुंजेश्वरी लखेरा तथा अंजलि विश्वकर्मा सहित अनेक साधकों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ सहभागिता निभाई। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय योग विशेषज्ञ सुश्री इंदु सिंह इन्दुश्री ने कहा कि आज के डिजिटल युग में लोग अपनी वास्तविक भावनाओं को व्यक्त करने के स्थान पर मोबाइल के इमोजी पर अधिक निर्भर होते जा रहे हैं। जबकि चेहरे की स्वाभाविक मुस्कान और सकारात्मक भाव स्वयं में एक प्रभावी उपचार हैं। उन्होंने बताया कि इमोजी फेस योग चेहरे की मांसपेशियों को सक्रिय एवं सुदृढ़ बनाकर त्वचा में कसाव बनाए रखने, झुर्रियों की गति को कम करने, रक्त संचार बढ़ाने तथा चेहरे पर प्राकृतिक चमक लाने में सहायक होता है। इसके साथ ही यह मस्तिष्क की नसों को शांत कर मानसिक तनाव, चिंता एवं थकान को कम करने का सरल, प्रभावी एवं प्राकृतिक माध्यम भी है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों के उत्साह, रचनात्मकता एवं सक्रिय सहभागिता की सराहना करते हुए उन्हें स्मृति-चिह्न स्वरूप आकर्षक इमोजी की-रिंग भेंट की गई। इसके पश्चात सभी साधकों ने अपने पसंदीदा इमोजी प्रॉप्स के साथ हर्षोल्लासपूर्ण समूह छायाचित्र का आनंद लिया। इस सफल एवं प्रेरणादायी आयोजन में संस्था के नियमित साधकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा योग को मनोरंजन, मुस्कान और मानसिक स्वास्थ्य से जोड़ने के इस अभिनव प्रयास की मुक्तकंठ से सराहना की। उपस्थितजनों ने इसे तनावमुक्त, स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली की दिशा में एक प्रभावी और प्रेरक पहल बताया।

एमएलसी 2026 के एलिमिनेटर में टूटा रिकॉर्डों का अंबार, ... क्रिकेट में प्रलय, दुनिया देखती रह गई!

537 रन, 51 छक्के और टी 20 इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज

नई दिल्ली, एजेंसी

टी20 क्रिकेट को अनिश्चितताओं का खेल कहा जाता है, लेकिन मेजर लीग क्रिकेट2026 के एलिमिनेटर मुकाबले ने इस फॉर्मेट की हर परिभाषा बदल दी। ओकलैंड में खेले गए मुकाबले में ऐसा रनों का तूफान आया कि रिकॉर्ड बुक के कई पन्ने एक साथ बदल गए। 40 ओवर के इस मुकाबले में दोनों टीमों ने मिलकर 537 रन बनाए, 51 छक्के लगाए, तीन बल्लेबाजों ने शतक जड़े और टी20 इतिहास का सबसे बड़ा सफल रन चेज देखने को मिला।

एमआई न्यूयॉर्क ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 266 रन का विशाल स्कोर बनाया। जवाब में वॉशिंगटन फ्रीडम ने सिर्फ 18.4 ओवर में 4 विकेट खोकर 270 रन बनाते हुए छह विकेट से ऐतिहासिक जीत दर्ज कर ली। 267 रन के लक्ष्य का सफल पीछा टी20 क्रिकेट के इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज बन गया।

आमतौर पर टी20 में 200 रन का स्कोर मैच जिताने के लिए काफी माना जाता है, जबकि 220 से ऊपर पहुंचते ही मुकाबला लगभग एकतरफा हो जाता है। लेकिन इस मैच में 266 रन भी जीत की गारंटी साबित नहीं हुए। एमआई न्यूयॉर्क की ओर से निकोलस पूरन ने महज 31 गेंदों में शतक ठोककर एमएलसी इतिहास का सबसे तेज शतक जड़ दिया। उन्होंने 106 रन की विस्फोटक पारी खेली। उनके साथ कीरोन पोलार्ड ने 25 गेंदों में 64 रन बनाए और टी20 क्रिकेट में अपने 1000 छक्के पूरे करने की ऐतिहासिक उपलब्धि भी हासिल की। क्विंटन डी कॉक ने भी अर्धशतक लगाया। 13 ओवर में टीम का स्कोर 211/3 था और 300 रन की उम्मीद दिखाई दे रही थी, लेकिन रचिन रवींद्र ने अंतिम ओवरों में चार विकेट लेकर स्कोर को 266 रन पर रोक दिया।

10 रन पर दो विकेट... फिर गॉस और स्मिथ ने पलटा मैच

267 रन के असंभव लगने वाले लक्ष्य का पीछा करते हुए वॉशिंगटन फ्रीडम की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने केवल 10 रन पर दो विकेट गंवा दिए। शाकिब अल हसन ने शुरुआती दोनों बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर एमआई न्यूयॉर्क को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। इसके बाद एंड्रीस गॉस और कप्तान स्टीव स्मिथ ने ऐसी बल्लेबाजी की जिसने मैच का पूरा रुख बदल दिया। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए सिर्फ 89 गेंदों में 241 रन जोड़ दिए, जो टी20 इतिहास की संयुक्त रूप से दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। गॉस ने 56 गेंदों में 132 रन की तूफानी पारी खेली, जबकि स्मिथ ने 49 गेंदों में नाबाद 110 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने केवल 40-40 गेंदों में अपने-अपने शतक पूरे किए।

एक मैच... तीन शतक और 51 छक्कों की बारिश

यह मुकाबला पुरुष टी20 क्रिकेट के इतिहास में पहला ऐसा मैच बन गया, जिसमें एक ही मुकाबले में तीन बल्लेबाजों ने शतक लगाए। निकोलस पूरन (106), एंड्रीस गॉस (132) और स्टीव स्मिथ (110*) ने गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। पूरे मैच में चौकों से ज्यादा चर्चा छक्कों की रही। दोनों टीमों के बल्लेबाजों ने मिलकर कुल 51 छक्के लगाए और दर्शकों को लगातार रोमांच से भरपूर मुकाबला देखने को मिला।

रिकॉर्डों से भर गया मुकाबला

इस मैच में कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड बने। दोनों टीमों का संयुक्त स्कोर 537 रन रहा, जो इस मुकाबले की सबसे बड़ी पहचान बना। 267 रन का सफल पीछा टी20 इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज बन गया। निकोलस पूरन ने एमएलसी का सबसे तेज शतक बनाया, एंड्रीस गॉस लीग में शतक लगाने वाले पहले अमेरिकी बल्लेबाज बने और कीरोन पोलार्ड ने टी20 क्रिकेट में 1000 छक्कों का आंकड़ा छू लिया। एमएलसी 2026 का यह मुकाबला केवल एक रोमांचक मैच नहीं, बल्कि टी20 क्रिकेट के इतिहास का ऐसा अध्याय बन गया है, जिसे लंबे समय तक रिकॉर्डों के सबसे बड़े विस्फोट के रूप में याद किया जाएगा।

फीफा विश्व कप फाइनल से पहले चर्चा में आई भावुक कहानी

जिस बच्चे को गोदी में उठाकर दुलारा, अब उसी के खिलाफ फाइनल खेलेंगे मेसी

नई दिल्ली, एजेंसी

फुटबॉल की दुनिया में कुछ तस्वीरें सिर्फ यादें नहीं होतीं, बल्कि इतिहास बन जाती हैं। फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल से पहले ऐसी ही एक तस्वीर पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बनी हुई है। यह तस्वीर अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी लियोनेल मेसी और स्पेन के युवा स्टार लामिन यामाल की है। खास बात यह है कि 2007 में मेसी ने जिस मासूम बच्चे को अपनी गोद में उठाकर दुलारा था, वही बच्चा आज स्पेन की उम्मीद बनकर विश्व कप फाइनल में उनके सामने खड़ा होगा। रविवार देर रात 12ः30 बजे खेले जाने वाले खिताबी मुकाबले में दक्षिण अमेरिका की नंबर-1 टीम अर्जेंटीना और यूरोप की नंबर-1 टीम स्पेन आमने-सामने होंगी। अर्जेंटीना लगातार दूसरा और कुल चौथा विश्व कप जीतने उतरेगा, जबकि स्पेन दूसरी बार विश्व चैंपियन बनने का सपना लेकर मैदान में उतरेगा। लेकिन मैच से पहले सबसे ज्यादा चर्चा इसी ऐतिहासिक तस्वीर की हो रही है।

यह कहानी साल 2007 की है। उस समय 20 वर्षीय लियोनेल मेसी बार्सिलोना के उभरते हुए सितारे थे। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष के लिए एक चैरिटी कैलेंडर का फोटोशूट आयोजित किया गया था। इस दौरान एक छोटे से प्लास्टिक के टब में बैठे शिशु के साथ मेसी की कई तस्वीरें ली गईं। उस वक्त किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि यह मासूम बच्चा आगे चलकर दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली फुटबॉलरों में गिना जाएगा। यही बच्चा आज स्पेन के स्टार खिलाड़ी लामिन यामाल हैं, जिनकी रफ्तार, ड्रिब्लिंग और गोल करने की क्षमता ने पूरी दुनिया को प्रभावित किया है।

एक लॉटरी ने करा दी थी मेसी से मुलाकात

लामिन यामाल के माता-पिता ने संयुक्त राष्ट्र बाल कोष की एक लॉटरी में हिस्सा लिया था। विजेता बनने के बाद उन्हें बार्सिलोना के खिलाड़ी के साथ फोटोशूट का अवसर मिला और किस्मत ने उन्हें लियोनेल मेसी से मिला दिया। यामाल की मां शीला एबाना उस समय सिर्फ 16 साल की थीं। इक्वेटोरियल गिनी मूल की शीला कैटालोनिया में भोजनालय में काम करती थीं। वहीं उनकी मुलाकात मोरक्को मूल के मुनिर नसराउई से हुई और दोनों ने स्पेन के मातारो शहर में अपने बेटे की परवरिश की। इस ऐतिहासिक फोटोशूट को समाचार एजेंसी के फोटोग्राफर जोन मोनफोर्ट ने कैमरे में कैद किया था। उन्होंने बाद में बताया कि मेसी बेहद शर्मीले स्वभाव के थे और शुरुआत में उन्हें समझ ही नहीं आ रहा था कि छोटे बच्चे को गोद में कैसे उठाया जाए। मोनफोर्ट के अनुसार, मेसी ड्रेसिंग रूम से बाहर आए तो उनके सामने पानी से भरा छोटा टब रखा था, जिसमें एक नन्हा बच्चा बैठा था। पहले तो वह थोड़ा झिझके, लेकिन कुछ ही देर में उन्होंने बच्चे को बड़े प्यार से गोद में उठाया और मुस्कुराते हुए तस्वीरें खिंचवाईं।

2024 में फिर चर्चा में आई तस्वीर

करीब 17 साल तक यह तस्वीर लोगों की नजरों से दूर रही। फिर 2024 में लामिन यामाल के पिता मुनिर नसराउई ने इसे अपने सामाजिक माध्यम खाते पर साझा किया। उन्होंने तस्वीर के साथ लिखा, दो दिग्गजों की शुरुआत। इसके बाद यह तस्वीर तेजी से वायरल हो गई। दिलचस्प बात यह रही कि फोटोग्राफर जोन मोनफोर्ट को भी उस समय तक यह नहीं पता था कि तस्वीर में दिखाई दे रहा बच्चा आगे चलकर स्पेन का सुपरस्टार लामिन यामाल बनेगा।

अब ट्रॉफी के लिए आमने-सामने होंगे मेसी और यामाल

आज परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। एक ओर लियोनेल मेसी अपने शानदार करियर में एक और विश्व कप जोड़ने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेंगे, तो दूसरी ओर महज 19 वर्षीय लामिन यामाल स्पेन की सबसे बड़ी उम्मीद बन चुके हैं। अपनी प्रतिभा और बेखौफ खेल से उन्होंने बेहद कम उम्र में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की सूची में जगह बना ली है। फुटबॉल प्रेमियों के लिए यह सिर्फ अर्जेंटीना और स्पेन के बीच फाइनल नहीं, बल्कि दो पीढ़ियों का ऐतिहासिक मुकाबला भी है। एक तरफ वह खिलाड़ी है जिसने आधुनिक फुटबॉल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया, तो दूसरी तरफ वह युवा सितारा है जिसे भविष्य का सबसे बड़ा खिलाड़ी माना जा रहा है। साल 2007 में खींची गई वह मासूम तस्वीर अब सिर्फ एक फोटो नहीं, बल्कि फुटबॉल की दो पीढ़ियों को जोड़ने वाली ऐतिहासिक कहानी बन चुकी है। जिस बच्चे को कभी मेसी ने गोद में उठाया था, आज वही खिलाड़ी विश्व फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर उनके सामने खड़ा होगा।

खेल मंत्रालय बना रहा विशेष डाटा बेस

सरकारी नौकरी वाले खिलाड़ी अब तैयार करेंगे नए चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में खेलों का स्तर और मजबूत करने के लिए खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने नई पहल शुरू की है। सरकारी विभागों, केंद्रीय मंत्रालयों और सार्वजनिक उपक्रमों में खेल कोटे के तहत नियुक्त खिलाड़ियों की विशेषज्ञता का उपयोग अब खेल प्रतिभाओं को तैयार करने में किया जाएगा। इसके लिए साइ सरकारी नौकरी कर रहे खिलाड़ियों का विस्तृत डाटा बेस तैयार कर रही है। साइ ने सभी केंद्रीय मंत्रालयों, सार्वजनिक उपक्रमों और स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड से खेल कोटे में कार्यरत खिलाड़ियों की जानकारी मांगी है। इस पहल का उद्देश्य अनुभवी खिलाड़ियों को दोबारा खेल व्यवस्था से जोड़ना और उनकी विशेषज्ञता का लाभ नई पीढ़ी तक पहुंचाना है।

खेल मंत्रालय की योजना के अनुसार सरकारी सेवा में कार्यरत खिलाड़ियों को उनकी विशेषज्ञता के आधार पर कोचिंग, प्रशिक्षण, प्रतिभाओं की पहचान, मार्गदर्शन और खेल विकास से जुड़े विभिन्न कार्यों में लगाया जाएगा। जरूरत पड़ने पर उन्हें प्रतिनियुक्ति पर भी बुलाया जा सकेगा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया पहले ही कह चुके हैं कि देश में प्रशिक्षकों की कमी महसूस की जा रही है। ऐसे में अनुभवी खिलाड़ियों को इस जिम्मेदारी से जोड़कर इस कमी को काफी हद तक दूर किया जा सकता है।

SAI SPORTS AUTHORITY OF INDIA

खेलो इंडिया से भी जोड़े जाएंगे खिलाड़ी

साइ की योजना है कि योग्य खिलाड़ियों को खेलो इंडिया योजना के तहत संचालित अकादमियों की जिम्मेदारी भी सौंपी जा सके। इससे युवा खिलाड़ियों को अनुभवी खिलाड़ियों का सीधा मार्गदर्शन मिलेगा और प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार होगा। साइ के महानिदेशक हरिरंजन राव ने पिछले महीने विभिन्न स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के अध्यक्षों के साथ बैठक कर इस योजना पर चर्चा की थी। बैठक में सरकारी सेवा में कार्यरत खिलाड़ियों की भूमिका बढ़ाने और उन्हें खेल गतिविधियों से दोबारा जोड़ने पर सहमति बनी। इस योजना की खास बात यह है कि खिलाड़ियों की रुचि और सुविधा का भी ध्यान रखा जाएगा। कोचिंग या अन्य जिम्मेदारियों में रुचि रखने वाले खिलाड़ियों से उनकी पसंद के कार्यक्षेत्र और तैनाती के स्थान की जानकारी भी मांगी गई है।

207 रन की पारी खेल चमके लक्ष्य रायचंदानी भारत-श्रीलंका के बीच पहला यूथ टेस्ट ड्रॉ

गाले। भारत और श्रीलंका अंडर-19 टीमों के बीच खेला गया पहला यूथ टेस्ट गुरुवार को ड्रॉ पर समाप्त हुआ। भारतीय टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज लक्ष्य रायचंदानी ने शानदार दोहरा शतक जड़कर मैच की सबसे बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। रायचंदानी ने 324 गेंदों में 207 रन की शानदार पारी खेली। अपनी मैराथन पारी के दौरान उन्होंने 22 चौके और तीन छक्के लगाए तथा लगभग 492 मिनट तक क्रीज पर टिके रहे। वह बुधवार के 196 रन के स्कोर से आगे खेलते हुए दोहरा शतक पूरा करने में सफल रहे। श्रीलंका अंडर-19 ने अपनी पहली पारी 9 विकेट पर 424 रन बनाकर घोषित की थी। इसके जवाब में भारत ने 576 रन बनाकर 152 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

पिता की सीख लेकर मराठी सिनेमा में उतरीं अदा शर्मा, बोलीं- मैं हूं पैन-इंडियन एक्ट्रेस

हिंदी और साउथ सिनेमा में अपनी दमदार पहचान बना चुकीं अभिनेत्री अदा शर्मा अब मराठी फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी नई पारी शुरू करने जा रही हैं। वह आगामी मराठी फिल्म गजरा से इस इंडस्ट्री में डेब्यू करेंगी। इस खास मौके पर अदा ने अपने करियर की शुरुआत से जुड़ी एक भावुक याद साझा करते हुए बताया कि अभिनेत्री बनने की इच्छा जताने पर उनके पिता ने उन्हें एक ऐसी सलाह दी थी, जिसने उनके पूरे करियर की दिशा तय कर दी।

अदा शर्मा ने बताया कि जब उन्होंने अपने पिता से कहा था कि वह अभिनेत्री बनना चाहती हैं, तब उनके पिता ने उन्हें केवल फिल्मों में काम करने की नहीं, बल्कि भारत की हर भाषा की फिल्मों में अभिनय करने की सलाह दी थी। अदा के मुताबिक, उनके पिता का मानना था कि भारत का हर राज्य अपनी अलग संस्कृति, परंपरा और भाषा से समृद्ध है। ऐसे में हर भाषा की फिल्म में काम करना न सिर्फ अभिनय को निखारेगा, बल्कि एक कलाकार को नए अनुभव भी देगा। अदा ने कहा कि उनके पिता ने उनसे कहा था कि हर नई भाषा और हर नया किरदार उनके लिए एक नई चुनौती होगी, जिसे उन्हें पूरे उत्साह के साथ स्वीकार करना चाहिए। यही सोच आज भी उन्हें अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों में काम करने के लिए प्रेरित करती है। अदा शर्मा ने अपने करियर की शुरुआत बॉलीवुड से की, लेकिन तेलुगु फिल्मों एस/ओ सत्यमूर्ति और क्षणम जैसी सफल फिल्मों ने उन्हें दक्षिण भारतीय सिनेमा में भी मजबूत पहचान दिलाई। अब वह मराठी फिल्म गजरा के जरिए अपने अभिनय का दायरा और बढ़ाने जा रही हैं।

मैं खुद को पैन-इंडियन एक्ट्रेस मानती हूं

जब अदा से पूछा गया कि यदि गजरा सफल होती है तो क्या वह आगे भी मराठी फिल्मों में काम करेंगी या बॉलीवुड को ही प्राथमिकता देंगी, तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि वह खुद को किसी एक इंडस्ट्री तक सीमित नहीं मानतीं। अदा ने कहा कि वह खुद को एक पैन-इंडियन एक्ट्रेस के रूप में देखती हैं और हर भाषा में काम करना चाहती हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि द केरला स्टोरी भले ही हिंदी फिल्म थी, लेकिन उसमें मलयालम, अंग्रेजी और हिंदी का मिश्रण था। वहीं कमांडो में उन्होंने एक तेलुगु लड़की का किरदार निभाया था, जबकि अपनी पहली फिल्म में एंग्लो-इंडियन युवती की भूमिका निभाई थी।

सिर्फ काम के लिए फिल्म मत करो... अनिल कपूर की एक सलाह ने बदल दी अंजना सुखानी की सोच

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री अंजना सुखानी ने अपने फिल्मी करियर के शुरुआती दौर से जुड़ा एक दिलचस्प अनुभव साझा करते हुए बताया कि अभिनेता अनिल कपूर की एक सलाह ने उनके सोचने का तरीका पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने कहा कि फिल्म सलाम-ए-इश्क की शूटिंग के दौरान अनिल कपूर ने उन्हें जो सीख दी थी, वह आज भी उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है और वह अपने हर पेशेवर फैसले में इस सलाह को ध्यान में रखने की कोशिश करती हैं।

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अंजना सुखानी से पूछा गया कि उन्होंने अमिताभ बच्चन, सलमान खान, अजय देवगन और जॉन अब्राहम जैसे कई बड़े सितारों के साथ काम किया है। ऐसे में क्या किसी अभिनेता की कोई सलाह आज भी उनके दिल और दिमाग में बसी हुई है? इस सवाल के जवाब में उन्होंने अनिल कपूर का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें खुशी है कि फिल्म इंडस्ट्री में किसी ने भी उन्हें बिना वजह सलाह देने की कोशिश नहीं की, क्योंकि हर कलाकार की अपनी अलग यात्रा होती है और हर कोई अपने अनुभवों से सीखता है।

अंजना ने बताया कि सलाम-ए-इश्क की शूटिंग के दौरान अनिल कपूर

अक्सर उन्हें एक बात कहते थे, जिसे उन्होंने हमेशा याद रखा। अभिनेत्री के अनुसार, अनिल कपूर की सलाह थी कि अपने प्रोजेक्ट्स का चुनाव हमेशा सोच-समझकर करना चाहिए। केवल काम पाने या व्यस्त रहने के लिए किसी भी फिल्म का हिस्सा नहीं बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि अनिल कपूर हमेशा कहते थे, उन लोगों के साथ काम मत करो जिनके साथ आप सहज महसूस नहीं करते। ऐसे लोगों के साथ काम करो जिनके साथ काम करके खुशी मिले और जो अच्छे इंसान हों।

मेट्रो बाजार

सरकार ने डीजल और एटीएफ के निर्यात पर बढ़ाया विंडफॉल टैक्स, पेट्रोल पर की कटौती

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स को बढ़ा दिया है। वहीं, पेट्रोल पर कटौती की है। इसकी वजह अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आना था। नई दरें गुरुवार से लागू हो गई हैं। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी नोटिफिकेशन में कहा गया कि डीजल पर निर्यात शुल्क बढ़कर 15.5 रुपए प्रति लीटर हो गया है, जो कि पहले 8.5 रुपए प्रति लीटर था। एटीएफ पर निर्यात शुल्क 7.5 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 14.5 रुपए प्रति लीटर हो गया। इसके अलावा, सरकार ने पेट्रोल पर निर्यात शुल्क को 4 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 2.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया है। यह बदलाव ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के कारण दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से उछाल आया है और बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 85 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है। मध्य पूर्व में तनाव लगातार बढ़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सभी बंदरगाहों पर नौसैनिक नाकेबंदी फिर से लागू कर दी है, जिसके जवाब में ईरान ने इलाके में अमेरिकी इंफ्रास्ट्रक्चर पर जवाबी हमले किए। इस महीने की शुरुआत में, सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स में बदलाव किया था। इसके तहत पेट्रोल पर निर्यात शुल्क बढ़ाया गया, जबकि डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर निर्यात शुल्क में कटौती की गई।

एयर इंडिया एप का कायाकल्प-यात्रियों को मिलेगी तेज सेवा, नवाचारों पर रहेगा जोर

नई दिल्ली। एयर इंडिया ने अपने मोबाइल ऐप को नई सुविधाओं के साथ पूरी तरह से बदल दिया है। इन बदलावों से यात्रियों को अब और तेजी से प्रतिक्रिया मिल सकेगी। साथ ही, भुगतान प्रणाली में भारत-विशिष्ट नवाचारों को भी लागू किया जा सकेगा। एयर इंडिया के अनुसार, ऐप में मुख्य सुधार उड़ान व्यवधानों के दौरान सहायता, भुगतान प्रणाली के अपडेट और इन-हाउस इंटरनेट बुकिंग तंत्र से संबंधित हैं।

एयरलाइन के मुख्य डिजिटल और प्रौद्योगिकी अधिकारी सत्य रामास्वामी ने पीटीआई को बताया कि उन्नत मोबाइल ऐप बुकिंग में अधिक आसानी प्रदान करेगा। यह एयरलाइन को ग्राहकों की जरूरतों पर अधिक तेजी से प्रतिक्रिया देने में भी मदद करेगा। गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति में एयर इंडिया ने बताया कि ऐप को अब तक करीब 1.7 करोड़ बार डाउनलोड किया जा चुका है। यह प्रतिदिन 1 लाख से अधिक उपयोगकर्ताओं को सेवा प्रदान करता है। यह आंकड़ा ऐप की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है।

उड़ान में किसी भी व्यवधान की स्थिति में, यात्रियों को होम स्क्रीन से ही होटल आवास और परिवहन सहायता प्रदान की जाएगी। यह सहायता संदर्भ के अनुसार उपलब्ध होगी, जिससे यात्रियों को तुरंत समाधान मिल सकेगा। इन-हाउस इंटरनेट बुकिंग तंत्र एक तेज और अधिक प्रतिक्रियाशील उपयोगकर्ता इंटरफेस प्रदान करेगा। इससे बुकिंग प्रक्रिया पहले से कहीं अधिक सुगम हो जाएगी। यात्री अब अपनी यात्रा से जुड़ी जानकारी और सहायता के लिए इंतजार नहीं करेंगे। यह सुविधा यात्रियों के समय की बचत करेगी और उनकी यात्रा को आरामदायक बनाएगी। रामास्वामी ने बताया कि भुगतान ऑर्केस्ट्रेशन प्रणाली उन्हें भारत-विशिष्ट नई नवाचार करने की अनुमति देती है। यह इन नवाचारों को तेजी से लागू करने में सहायक होगा।

छह बल्लेबाज हैं, तो 50 ओवर के मैच में पांचवें स्ट्राइक गेंदबाज से परहेज क्यों?

राजेश सिरोठिया (पूर्व क्रिकेटर)

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में भारत की हार केवल मैदान पर नहीं हुई। उसकी पटकथा टीम चयन के समय ही लिखी जा चुकी थी। सवाल किसी एक खिलाड़ी का नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेट की उस चयन नीति का है, जो पिछले कुछ वर्षों से 'टीम बैलेंस' के नाम पर मैच जिताने वाले गेंदबाजों की कीमत पर अतिरिक्त बल्लेबाजी को तरजीह देती दिखाई देती है। यदि आपके पास रोहित शर्मा, शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल और हार्दिक पंड्या जैसे छह विशेषज्ञ बल्लेबाज हैं, तो फिर सातवें बल्लेबाजी विकल्प की जरूरत आखिर क्यों पड़ती है? क्या टीम प्रबंधन को अपने ही शीर्ष छह बल्लेबाजों पर पूरा भरोसा नहीं है?

वनडे क्रिकेट में 300 से 350 रन बनाने की जिम्मेदारी शीर्ष छह बल्लेबाजों की होती है। यदि सातवें बल्लेबाज की जरूरत बार-बार महसूस हो रही है, तो इसका मतलब बल्लेबाजी क्रम पर ही सवाल खड़े होते हैं। दूसरी ओर गेंदबाजी में तस्वीर बिल्कुल अलग है। चार स्ट्राइक गेंदबाज शुरुआती झटके दे सकते हैं, लेकिन विरोधी टीम को समेटने के लिए पांचवें स्ट्राइक गेंदबाज की जरूरत पड़ती है। अक्सर देखा गया है कि विपक्ष 100-120 रन पर पांच विकेट गंवाने के बाद भी 300 के पार पहुंच जाता है, क्योंकि आखिरी साझेदारियां तोड़ने वाला गेंदबाज टीम में नहीं होता। यही कारण है कि इंग्लैंड आदिल रशीद जैसे विकेट लेने वाले स्पिनर पर लगातार भरोसा करता है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और चयनकर्ता सबा करीम ने भी यही तर्क दिया कि आधुनिक वनडे क्रिकेट में बीच के ओवरों में विकेट निकालने वाला स्पिनर मैच का रुख बदल देता है। सवाल यह है कि भारतीय टीम प्रबंधन ने इस सोच को क्यों नहीं अपनाया?

यहीं कुलदीप यादव का नाम सामने आता है...

2017 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले कुलदीप यादव आज भारत के सबसे सफल कलाई के स्पिनरों में गिने जाते हैं। तीनों प्रारूपों में उनके नाम 193 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 368 विकेट दर्ज हैं। टेस्ट क्रिकेट में 18 मैचों में 79 विकेट, वनडे में 121 मैचों में 194 विकेट और टी-20 अंतर्राष्ट्रीय में 54 मैचों में 95 विकेट उनके नाम हैं। वनडे क्रिकेट में दो हैट्रिक लेने वाले वह दुनिया के चुनिंदा गेंदबाजों में शामिल हैं और छह विकेट लेने वाले पहले बाएं हाथ के रिस्ट स्पिनर भी हैं।

इतने शानदार रिकॉर्ड के बावजूद कुलदीप का करियर कभी निरंतर नहीं रहा। उन्हें बार-बार टीम से बाहर होना पड़ा, फिर वापसी करनी पड़ी और हर बार अपने प्रदर्शन से खुद को दोबारा साबित करना पड़ा। इसके विपरीत वॉशिंगटन सुंदर को लगातार अवसर मिलते रहे। इसमें कोई संदेह नहीं कि वह उपयोगी ऑलराउंडर हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनका योगदान सराहनीय रहा है। 18 टेस्ट मैचों में उन्होंने 937 रन और 41 विकेट लिए हैं। वनडे और टी-20 में भी वह टीम को अतिरिक्त विकल्प देते हैं। लेकिन असली सवाल यह नहीं है कि वॉशिंगटन सुंदर अच्छे खिलाड़ी हैं या नहीं। सवाल यह है कि क्या उनका प्रदर्शन इतना निरंतर रहा है कि भारत अपने सबसे प्रभावी स्ट्राइक स्पिनर को बाहर बैठाने का जोखिम उठाए? कभी एक अर्धशतक, कभी एक-दो विकेट–यह उपयोगी योगदान जरूर है, लेकिन क्या यह मैच जिताने वाली निरंतर भूमिका है? दूसरी ओर ऐसे कई मैच भी रहे हैं, जिनमें विपक्षी बल्लेबाजों ने उनकी गेंदबाजी पर खुलकर रन बनाए और भारत को भारी कीमत चुकानी पड़ी।

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे ने इस बहस को और तेज कर दिया। भारत सात बल्लेबाजों के साथ उतरा, लेकिन पूरी पचास ओवर बल्लेबाजी भी नहीं कर सका। यानी अतिरिक्त बल्लेबाज होने का तर्क भी व्यवहार में सफल नहीं दिखा। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि कुलदीप यादव टीम में होते, तो क्या अक्षर पटेल के साथ मिलकर बीच के ओवरों में इंग्लैंड पर अधिक दबाव बनाया जा सकता था? इसका निश्चित उत्तर किसी के पास नहीं है, लेकिन यह प्रश्न पूरी तरह वैध है। भारतीय क्रिकेट को अब तय करना होगा कि वह 'सुरक्षित क्रिकेट' खेलना चाहता है या 'जीतने वाला क्रिकेट'। इतिहास गवाह है कि बड़े टूर्नामेंट अतिरिक्त बल्लेबाज नहीं, बल्कि अतिरिक्त विकेट लेने वाले गेंदबाज जिताते हैं।

क्रिकेट में संतुलन जरूरी है, लेकिन संतुलन का मतलब समझौता नहीं होना चाहिए। यदि टीम बार-बार उस खिलाड़ी को नजरअंदाज करती है जो मैच का रुख बदल सकता है, तो यह केवल रणनीतिक चूक नहीं, बल्कि चयन पर भी सवाल खड़ा करता है। भारतीय टीम प्रबंधन को आखिर इस प्रश्न का उत्तर देना ही होगा कि जब छह विशेषज्ञ बल्लेबाज पहले से मौजूद हैं, तो 50 ओवर के मैच में पांचवें स्ट्राइक गेंदबाज से परहेज क्यों?

प्रवर्तन निदेशालय की जांच में खुलासा, पांच राज्यों में की छापेमारी

भारत में बांग्लादेशी घुसपैठिए बसाने के लिए विदेशों से की जा रही फंडिंग

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध बांग्लादेशी व रोहिंग्या को भारत में बसाने में जुटे नेटवर्क का खुलासा किया है। ईडी ने इस नेटवर्क पर शिकंजा कसते हुए यूपी, दिल्ली और पश्चिम बंगाल समेत पांच राज्यों में छापे मारे। यह नेटवर्क विदेशों से मिले पैसे का इस्तेमाल अवैध घुसपैठियों के फर्जी दस्तावेज तैयार कराने, उन्हें देश के अलग-अलग हिस्सों में भेजने और उनकी आजीविका के इंतजाम करने में कर रहा था। इस नेटवर्क के तार आतंकी फंडिंग से भी जुड़े होने की आशंका है।

यूपी एटीएस की प्राथमिकी पर केंद्रित है मामला

ईडी की ओर से 2024 में दर्ज मामला उत्तर प्रदेश आतंकवाद-रोधी दस्ते (यूपी-एटीएस) की प्राथमिकी पर आधारित है। प्राथमिकी ऐसे संगठित गिरोह पर केंद्रित है, जिसपर रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों को भारत में गैरकानूनी तरीके से दाखिल कराने, उनके लिए आधार, पैन और पासपोर्ट जैसे जाली पहचान दस्तावेज बनवाने तथा देश के अलग-अलग हिस्सों में बसने में मदद करने का आरोप है। छह, आठ हजार जैसी छोटी किस्तों में भेजा पैसा : एटीएस की जांच में कुछ संस्थाओं पर विदेशी चंदा प्राप्त करने व अवैध गतिविधियां संचालित करने में मदद के लिए बैंक खातों, बिचौलियों के खातों व जटिल लेनदेन के जरिये राशि स्थानांतरित करने का पता चला है। ईडी के अनुसार, संदिग्धों को भारत में बसाने के लिए छह हजार, आठ हजार और 10 हजार की छोटी किस्तों में पैसे भेजे गए।

पांच राज्यों के 13 ठिकानों पर छापेमारी

छापों के दौरान बंगाल के कलिकापुर इलाके में स्थित हरोरा अल-जामियातुल इस्लामिया दारुल उलूम से 40 लाख रुपए नकद व 180 ग्राम सोने के सिक्के जब्त किए गए हैं। ईडी ने धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत यूपी के सहारनपुर (देवबंद), दिल्ली के जामिया नगर, हरियाणा के बल्लभगढ़, पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना, उत्तर 24 परगना व मुर्शिदाबाद और महाराष्ट्र के रायगढ़ में 13 ठिकानों पर एकसाथ छापे मारे। ईडी ने जब्त दस्तावेज व इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि ईडी ऐसे गिरोह की गतिविधियों की जांच कर रहा है, जो विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम के तहत पंजीकृत ट्रस्ट और स्वयंसेवी संस्थाओं के जरिये काम करता है। घुसपैठियों के मददगार नेटवर्क के साथ कुछ ट्रस्टों, स्वयंसेवी संस्थाओं और शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े लेन-देन की जांच की जा रही है। जांच एजेंसियों को संदेह है कि कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं और ट्रस्टों के माध्यम से छोटे-छोटे हिस्सों में बड़ी रकम का लेनदेन किया गया। कई बैंक खातों और कथित रेंट अकाउंट के इस्तेमाल की भी जांच की जा रही है।

इराकी संगठन का बड़ा ऐलान

ट्रंप को जान से मारने वाले को 10 मिलियन डॉलर का इनाम

वॉशिंगटन/तेहरान. एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इस बीच इराक के एक इस्लामी रजिस्टेंट संगठन ने ट्रंप को मारने के लिए इनाम की घोषणा की है। इराकी इस्लामी संगठन ने ट्रंप को अहंकारी और आक्रामक बताया। इराकी संगठन ने ट्रंप को मारने के लिए 10 मिलियन डॉलर का इनाम घोषित करते हुए कहा कि जिसने भी इराकियों का खून बहाया और उन्हें बेघर किया, या हमारे नेताओं को निशाना बनाया, या हमारे बच्चों को मारा, या हमारे विद्वानों को, दुनिया के आजाद लोग उसे सुकून से जीने नहीं देंगे। दरअसल, इराक में इस्लामी प्रतिरोध संगठन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने के लिए 10 मिलियन डॉलर का इनाम रखा है। इराकी मिलिटेंट संगठन ने बयान में कहा, 'अल्लाह के नाम से, जो बड़ा मेहरबान, निहायत रहम वाला है'। आगे बयान में लिखा, 'अमेरिकी प्रशासन की नैतिक गिरावट का सबसे बड़ा सबूत ये है कि अपराधी ट्रंप अपने अहंकार और आक्रामकता में शहीद कमांडरों हाजी कासिम सुलेमानी और हाजी अबू महदी अल-मुहंदिस को निशाना बना रहा है। अल्लाह उन दोनों से राजी हो। इस नापाक कदम का जवाब प्रतिरोध ने सम्मान और गर्व के साथ दिया है और जीवन भर देता रहेगा।'

सुकून से जीने नहीं देंगे

इराकी संगठन ने कहा, 'इराक में इस्लामी प्रतिरोध घोषणा करता है कि उसने अपराधी ट्रंप के सिर के लिए 10 मिलियन डॉलर का इनाम रखा है। जिसने भी इराकियों का खून बहाया और उन्हें बेघर किया, या हमारे नेताओं को निशाना बनाया, या हमारे बच्चों को मारा, या हमारे विद्वानों को – दुनिया के आजाद लोग उसे सुकून से जीने नहीं देंगे। अपराधी ट्रंप को हमसे शर्मिंदगी के अलावा कुछ नहीं मिलेगा। कसम है शहीदों की और मुजाहिदीन की कि हमलावरों के सिंहासनों को हिलाकर रख देंगे, जब तक कि अत्याचारी के किले ढह नहीं जाते। दूसरी तरफ अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य टकराव लगातार तेज होता जा रहा है। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच कई दिनों से जारी जवाबी हमलों और 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' को लेकर बढ़ते तनाव ने युद्ध रोकने के लिए हुए अंतरिम समझौते को लगभग खत्म कर दिया है।

225 सालों में 68% सिकुड़ी यमुना 89 फीसदी तक घटा जल प्रवाह

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की जीवनरेखा मानी जाने वाली यमुना नदी पिछले 225 वर्षों में अपने प्राकृतिक स्वरूप का बड़ा हिस्सा खो चुकी है। दिल्ली विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग और भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर), भोपाल के शोधकर्ताओं के अध्ययन में खुलासा हुआ है कि वर्ष 1799 में यमुना की औसत चौड़ाई 658 मीटर थी, जो 2024 तक घटकर मात्र 210 मीटर रह गई है। यानी नदी करीब 68 प्रतिशत तक सिकुड़ चुकी है।

अध्ययन के अनुसार, नदी के जल प्रवाह में भी लगभग 89 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। कभी 30 हजार क्यूबिक मीटर प्रति सेकंड तक बहने वाला पानी अब घटकर करीब 3,900 क्यूबिक मीटर प्रति सेकंड रह गया है।

शोधकर्ताओं ने इसके लिए बढ़ते शहरीकरण, बैराजों, नहरों, तटबंधों और मानवीय हस्तक्षेप को जिम्मेदार बताया है। ताजेवाला, वजीराबाद, आईटीओ और ओखला बैराज बनने के बाद यमुना का प्राकृतिक प्रवाह प्रभावित हुआ। वहीं, करीब 45 वर्ग किलोमीटर फ्लडप्लेन मुख्य धारा से अलग हो गया। यही वजह है कि कम पानी छोड़े जाने के बावजूद 2023 में दिल्ली में यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ा, क्योंकि नदी और उसका बाढ़ क्षेत्र अब पहले की तुलना में काफी सीमित हो चुके हैं।

गाजियाबाद के मोदीनगर के बुदाना गांव की घटना

150 करोड़ की संपत्ति के लिए बेटे ने ही अपने पिता को मारी गोली, मौत

गाजियाबाद, एजेंसी

गाजियाबाद जिले के मोदीनगर के बुदाना गांव में बुधवार रात संपत्ति को लेकर चल रहा पारिवारिक विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। पुलिस के मुताबिक, 32 वर्षीय निखिल नेहरा ने करीब 150 करोड़ रुपये की संपत्ति अपने नाम कराने के विवाद में अपने पिता हरिओम नेहरा (54) की मां के सामने ही गोली मारकर हत्या कर दी।

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी हथियार लहराते हुए बाइक से फरार हो गया। घटना की जानकारी पुलिस को सीधे परिजनों से नहीं, बल्कि अस्पताल से मिली, जहां घायल को मृत घोषित किया गया। मृतक की पत्नी की शिकायत पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपी की तलाश में पुलिस की पांच टीमें लगी हैं। पुलिस के अनुसार, 54 वर्षीय हरिओम नेहरा गांव के बड़े किसानों में शामिल थे। वह पत्नी मीनाक्षी, बेटों निखिल व नीशू और मां राजेश देवी के साथ रहते थे। उनके पास करीब 75 बीघा कृषि भूमि है, जिसकी वर्तमान बाजार कीमत लगभग 150 करोड़ रुपऐ आंकी जा रही है।

एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा ने बताया कि पुलिस जांच में सामने आया है कि हरिओम का बड़ा बेटा निखिल शराब का आदी है। वह लंबे समय से पिता पर संपत्ति अपने नाम कराने का दबाव बना रहा था। इसी बात को लेकर परिवार में अक्सर विवाद होता था। रिश्तेदार कई बार उसे समझा चुके थे। हरिओम गांव के बाहर करीब छह बीघा जमीन पर मंडप बनाने की तैयारी कर रहे थे, जबकि निखिल वहां प्लॉटिंग कराना चाहता था। घटना वाली रात दोनों के बीच इसी मुद्दे पर विवाद हुआ। निखिल की बुआ का बेटा व अन्य रिश्तेदार समझाने पहुंचे और करीब 11 बजे लौट गए। उनके जाने के बाद विवाद दोबारा बढ़ गया। मां और छोटे भाई ने भी निखिल को शांत कराने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माना। दोनों के बीच खूब नोकझोंक और हाथापाई हुई। इसके बाद निखिल ने घर के आंगन में हरिओम पर पिस्टल से ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

दिल्ली: दुष्कर्म के बाद घोंट दिया था आईआरएस की बेटी का गला

९00 पन्नों की चार्जशीट में 70 गवाह

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिणी दिल्ली के कैलाश हिल्स स्थित बहुचर्चित आईआरएस अधिकारी की बेटी दुष्कर्म और हत्या मामले में पुलिस ने करीब तीन महीने बाद मुख्य आरोपी राहुल मीणा के खिलाफ ९00 पन्नों की चार्जशीट अदालत में दाखिल कर दी गई है। पूर्व घरेलू सहायक रहे आरोपी के खिलाफ पुलिस ने 70 से अधिक गवाहों के बयान, डीएनए और फोरेंसिक जांच रिपोर्ट को अहम सबूत बनाया है।

चार्जशीट के अनुसार, 22 अप्रैल की सुबह यूपीएससी की तैयारी कर रही युवती घर में अकेली थी। इसी दौरान आरोपी घर में घुसा और वारदात को अंजाम दिया। जांच में आरोपी के रक्त और जैविक नमूनों की पुष्टि होने का दावा किया गया है। इसके

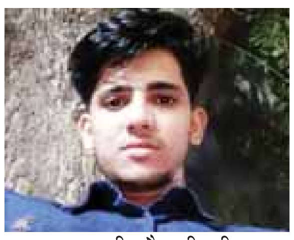

बाद वह नकदी और कीमती सामान लेकर फरार हो गया था।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी को नौकरी से निकाले जाने के बाद वह आर्थिक तंगी और कर्ज से जूझ रहा था। जांच में लूट के साथ प्रतिशोध की भावना को भी वारदात की प्रमुख वजह माना गया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने घटना के 12 घंटे के भीतर आरोपी को द्वारका के एक होटल से गिरफ्तार कर लिया था। मामले की अगली सुनवाई 18 जुलाई को होगी।

मेट्रो एंकर

परीक्षण सुबह 11:30 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से होगा

देश का पहला निजी ऑर्बिटल रॉकेट 'विक्रम-1' कल भरेगा पहली उड़ान

हैदराबाद, एजेंसी

भारत की निजी अंतरिक्ष कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस 18 जुलाई को अपने पहले ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 की पहली परीक्षण उड़ान भरने जा रही है। यह परीक्षण सुबह 11:30 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के लॉन्च पैड से किया जाएगा। यह पहली बार होगा जब किसी भारतीय निजी कंपनी का विकसित ऑर्बिटल रॉकेट अंतरिक्ष की ओर उड़ान भरेगा।

कंपनी ने इस मिशन का नाम 'मिशन आकाश' रखा है। उड़ान से पहले सभी जरूरी तकनीकी परीक्षण पूरे कर लिए गए हैं और संबंधित एजेंसियों के साथ सुरक्षा तैयारियों की भी समीक्षा की गई है। मिशन के लिए आवश्यक अनुमतियां भी जारी कर दी गई हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पवन कुमार चंदाना ने कहा कि विक्रम-1 की उड़ान केवल रॉकेट का परीक्षण नहीं, बल्कि भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। इस मिशन से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर भविष्य के ऑर्बिटल प्रक्षेपणों को और बेहतर बनाया जाएगा।

विक्रम-1 एक तीन चरणों वाला रॉकेट है, जिसमें कंपनी द्वारा विकसित आधुनिक प्रणोदन तकनीकों का उपयोग किया गया है। इसमें स्काईरूट का स्वदेशी स्ह्हक्क्ष एवियोनिक्स प्लेटफॉर्म और अन्य अत्याधुनिक तकनीकें शामिल हैं। परीक्षण उड़ान के दौरान रॉकेट के प्रदर्शन, प्रणालियों और उड़ान नियंत्रण का विस्तृत मूल्यांकन किया जाएगा। कंपनी के अनुसार, छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण का वैश्विक बाजार तेजी से बढ़ रहा है और भारत के लिए इसमें बड़ी संभावनाएं हैं। विक्रम-1 का सफल परीक्षण देश को इस क्षेत्र में मजबूत स्थिति दिलाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई गति

स्काईरूट ने बताया कि यह उसका दूसरा प्रमुख मिशन है। इससे पहले 18 नवंबर 2022 को कंपनी ने विक्रम-एस सब-ऑर्बिटल रॉकेट का सफल प्रक्षेपण किया था। वह भारत का पहला निजी रूप से विकसित और अंतरिक्ष तक पहुंचने वाला रॉकेट था। कंपनी के सह-संस्थापक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) नागा भरत डाका ने कहा कि 18 जुलाई का मिशन लगभग 1,000 लोगों की मेहनत, 400 से अधिक आपूर्तिकर्ताओं के सहयोग और तीन हजार से अधिक पुर्जों के समन्वय का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस परीक्षण से मिलने वाला अनुभव भारत के निजी अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई गति देगा और भविष्य में व्यावसायिक उपग्रह प्रक्षेपण सेवाओं के लिए मजबूत आधार तैयार करेगा।

दिल्ली पुलिस के नए कमिश्नर बने अनुराग कुमार

नई दिल्ली. एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को लेकर आज बड़ी खबर सामने आ रही है। दिल्ली पुलिस के कमिश्नर सतीश गोलचा को रिटायरमेंट से पहले ही उनके पद से हटा दिया गया है। इसके साथ ही अनुराग कुमार को दिल्ली पुलिस कमिश्नर के पद की जिम्मेदारी मिली है। उनका नियुक्ति से जुड़ा आदेश भी जारी कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, सतीश गोलचा का कार्यकाल 2027 में पूरा होने वाला था।

अनुराग कुमार।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564